सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

वर्ष 1, अंक 98, नई दिल्ली, शनिवार, 04 फरवरी 2023, पेज 8

03 एलजी ने दी मनीष सिसोदिया को विदेश यात्रा की अनुमति
05 चाहते हैं फैमली के लिए सुरक्षित गाड़ी, होंडा के इस कार पर कर सकते भरोसा
08 अखिलेश यादव के काफिले में हादसा, छह गाड़ियां क्षतिग्रस्त...

आज का सुविचार

"मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।"

इनसाइड

अमूल ने फिर बढाए 3 रु.प्रति लीटर दूध के दाम

एनटीवी।एसडी सेठी। गुजरात डेयरी को-ऑपरेटिव अमूल ने दूध के दाम में इजाफा करने का ऐलान कर दिया है। दूध की कीमत में तीन रूपये प्रति लीटर तक की बढोतरी की घोषणा की गई है। नये दाम तत्काल प्रभाव से लागू हो गये हैं।

अमूल दूध की कीमत बढोतरी के बाद अमूल गोल्ड 66 रूपये प्रति लीटर, अमूल ताजा की कीमत 54 रूपये प्रति लीटर, अमूल गाय का दूध 56 रूपये प्रति लीटर और अमूल भैंस की कीमत अब 70 रुपये प्रति लीटर होगी। अमूल ने पिछले साल अक्टूबर में 2 रुपये प्रति लीटर की बढोतरी की की थी। वहीं दिसंबर में मदर डेयरी ने भी दिल्ली एनसीआर में दूध की कीमत में 2 रूपये प्रति लीटर की बढोतरी की थी। सबसे मजेदार बात ये है कि गुजरात को छोडकर बाकी सभी बाजारों में दाम बडा दिये है।

भारत में जल्द आने वाली है 'उड़ने वाली बस'

नितिन गडकरी ने बताया- बदलेगा सफर करने का तरीका

संजय बाटला

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सिर्फ सड़कों पर ही काम नहीं हो रहा है बल्कि टेक्नोलॉजी सहारे जल्द ही आपका सफर और भी आसान होगा। इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती संख्या को लेकर उन्होंने कहा कि यह शुरुआत है और आने वाले समय में और कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

नई दिल्ली: भारत में तेजी से सड़कों का निर्माण हो रहा है। इलेक्ट्रिक गाड़ियां सड़कों पर आ रही हैं। मेट्रो, पॉड टैक्सी का जमाना आ गया है। ड्रोन से एक जगह से दूसरी जगह सामान पहुंचाया जा रहा है। यह सब संभव हुआ है। नई-नई टेक्नॉलॉजी आ रही है और जल्द ही भारत में उड़ने वाली बस आने वाली है। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में उड़ने वाली बस आएगी। उन्होंने कहा कि इसको लेकर स्टडी चल रही है और जल्द इसका सपना साकार हो सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ियों पर और तेजी से रिसर्च चल रहा है और जल्द ही इसकी लागत काफी कम होगी और इलेक्ट्रिक के साथ ही साथ ऐसे गाड़ियां भी आएंगी।

एक न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में अभी उड़ने वाली बस को लेकर स्टडी की जा रही है। इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि फिलीपींस में उड़ने वाली बसें ऑपरेट की जा रही है। भारत में भी यह संभव है। इसके साथ ही उन्होंने बजट में इस बार हाइड्रोजन मिशन के लिए दिए गए फंड का जिक्र किया।

नितिन गडकरी ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर कहा कि इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि कोयले से ब्लैक हाइड्रोजन बनता है, पेट्रोलियम से जो बनता है उसे ब्राउन हाड्रोजन कहते हैं और पानी से ग्रीन हाइड्रोजन। गडकरी ने कहा कि बायोवेस्ट मीथेन से हाइड्रोजन को लेकर तेजी से काम चल रहा है। अभी इसकी कीमत 300 रुपये प्रतिकिलो है उसकी लागत घटाकर 100 रुपये प्रतिकिग्रा करना है। एक केजी में 450 किलोमीटर कार चलेगी। यानी 100 रुपये 450 किलोमीटर।

नितिन गडकरी ने कहा कि उनके पास इथेनॉल से चलने वाली स्कूटर है। गडकरी ने कहा कि जब मैं इलेक्ट्रिक कार और गाड़ियों की बात करता था तो मुझसे कई सवाल पूछे जाते थे। मुझसे कहा जाता था कि बीच में बैट्री खत्म हो गई तो क्या। अब कई इलेक्ट्रिक कार और टू व्हीलर आ गए किसी की बंद हुई क्या। उन्होंने कहा कि जब मैं कहता था कि दिल्ली से मेरठ 40 मिनट तो लोग हंसते थे लेकिन यह हुआ। अब दिल्ली से जयपुर, दिल्ली से देहरादून और दिल्ली से हरिद्वार यह भी सफर 2 घंटे में जल्द पूरा होगा।

डीटीसी की लो फ्लोर बस सबवे में घुसी, तीन घायल, बाल-बाल बचे लोग

एनटीवी संवाददाता

बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ। बस की मैकेनिकल जांच के बाद सही कारणों का खुलासा होगा। पुलिस लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

नई दिल्ली। नारायणा में बृहस्पतिवार दोपहर ब्रेजा कार को बचाने के दौरान तेज रफ्तार लो फ्लोर डीटीसी बस सबवे में घुस गई। हादसे में बस चालक, कंडक्टर व मार्शल घायल हो गए। ब्रेजा कार भी क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन उसमें सवार दो लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को सबवे से बाहर निकाला और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया।

कंडक्टर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि मार्शल के सिर में टांके लगे हैं। बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ। बस की मैकेनिकल जांच के बाद सही कारणों का खुलासा होगा। पुलिस लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बस रूट संख्या 611 बृहस्पतिवार को धौला कुआं से सवारियों को लेकर नारायणा गांव पहुंची थी। सवारियों को उतारने के बाद चालक रोहताश बस को नारायणा डिपो लेकर जा रहा था। बस में कंडक्टर रमेश और मार्शल गौरव मौजूद थे। नारायणा इलाके में बस अचानक अनियंत्रित होकर आगे चल रही ब्रेजा से टकरा गई। टक्कर लगने के बाद ब्रेजा कार सबवे के पास किनारे आ गई।

इस दौरान चालक ने कार में दोबारा टकराने से बचाने के लिए स्टेयरिंग को मोड़ दिया, जिससे बस सबवे में घुस गई। इससे रोहताश, रमेश व गौरव घायल हो गए। ब्रेजा में गुरुग्राम निवासी जसजोग सिंह और इकनूर सिंह सवार थे। दोनों किसी काम से नारायणा मंडी आए थे। वापसी में पीछे से कार में बस ने टक्कर मार दी। क्रेन को बुलाकर पुलिस ने बस को सबवे से बाहर निकाला और तीनों यायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया।

मैकेनिकल जांच से कारणों का पता चलेगा

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों के लिए बस की मैकेनिकल जांच की जाएगी, तब ही पता चल पाएगा कि हादसा बस के ब्रेक फेल करने से हुआ या फिर किसी अन्य कारण से हुआ।

परिवहन निगम ने हादसे की जांच के आदेश दिए

नारायणा के सबवे में डीटीसी बस घुसने के मामले की जांच के लिए दिल्ली पविहन निगम ने आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने सख्त कार्रवाई की बात कही है। वहीं, एक महीने में दिल्ली में बस दुर्घटना के तीन मामले सामने आ चुके हैं। डीटीसी के बेड़े में कई बसें पुरानी हो चुकी हैं। कई बार बस की तेज रफ्तार होने से भी दुर्घटनाएं हो रही हैं। सोशल मीडिया पर किलोमीटर स्कीम के तहत अधिक दूरी तक बस चलाने की मजबूरी को ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेवार ठहराया जा रहा है।

यूनियन बोली- समय पर बसों की मरम्मत नहीं होती

डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के महामंत्री मनोज शर्मा ने आरोप लगाया है कि बसों की समय पर मरम्मत नहीं की जा रही है। डीटीसी डिपो मैनेजर और कंपनी के मैनेजर ने मिलीभगत कर रखी है। मय पर ब्रेक की जांच की जाती तो हादसा नहीं होता। इस मामले की जांच में भ्रष्टाचार उजागर होगा।

एक माह में डीटीसी बसों से हुए हादसे

-नारायणा में डीटीसी बस सबवे में घुसी।

-इसी सप्ताह चार निजी स्कूली बसों की टक्कर में छात्र घायल।

-पिछले महीने सराय रोहिल्ला से आ रही बस के बेकाबू होकर स्लम क्षेत्र में प्रवेश करने से लोग चोटिल हुए थे।

दिल्ली पुलिस को हाईटैक बनाने के लिए 11 हजार करोड से ज्यादा का बजट

एसडी सेठी

एनटीवी। नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की पुलिस को 2023-2024 के पेश बजट में 11932.03 करोड रूपये का बजट आवंटित किया गया है। बीते वर्ष के मुकाबले इस साल 15.22 फीसदी की बढोतरी कर 1576.74 करोड रूपये अतिरिक्त राशि आवंटित की गई है। राजधानी दिल्ली की कानून व्यवस्था मजबूत बनाये रखने वाली हाईटैक प्रणाली के अलावा आवासीय आधारभूत संरचना का निर्माण करना बताया गया है। वहीं संचार नेटवर्क, नवीतम यातायात संकेतों की स्थापना करना शामिल है।

दूसरी ओर आपराधिक वारदातों को तेजी से ट्रेस करने के तहत सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम की इस्टालेशन, आधुनिकरण के लिए एडवांस उपकरणों की खरीद, साईबर हाईवे और डिजिटल ट्रैकिंग रेडियो सिस्टम जैसी कम्यूनिकेशन सिस्टम के अपग्रेडिंग के लिए एक और इंटेलिजेंट ट्रैफिक का कार्यान्वयन और पुलिसिंग के लिए विभिन्न प्रकार के वाहनों को शामिल करने में करीब 1019 करोड रूपये दिए गए हैं। इसके अलावा पीसीआर वाहनों की खरीद भी शामिल है। अभी तक थानों में क्यूआरटी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जिप्सी किराए की ही हैं।

आजाद भवन में प्रवासी लेखकों का रचना पाठ

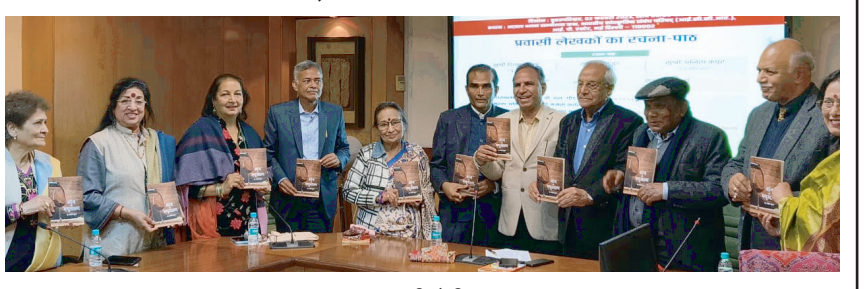

एसडी सेठी

एनटीवी। नई दिल्ली। आईटीओ स्थित आजाद भवन सभागार में प्रवासी भारतीय रचनाकारों का कार्यक्रम भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और वैश्विक हिंदी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग परिषद की ओर से आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रवासी लेखकों, रचनाकारों में दिव्या माथुर, (यूके), पुष्पा भारद्वाज (वुड न्यूजीलैंड), अनीता कपूर (अमेरिका), इन्द्रजीत शर्मा, अमेरिका) और जय वर्मा, (यूके) आदि ने अपना काव्य रचनाओं का पाठ किया। अध्यक्षता कवि, लेखक, पत्रकार बीएल गौड ने की। उन्होने अपने संबोधन में कहा कि जो भारतीय विदेशों में जाकर बस गये हैं, वे भारत से तो चले गये लेकिन भारतीयता को दिल से नहीं निकाल पाए हैं। कार्यक्रम का संचालन कवियित्री अल्का सिंहा व संयोजन वरिष्ठ नाटक कर्मी व अभिनेता विनयशील चतुर्वेदी ने किया।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

प्रदेश का परिवहन विभाग पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक वाहन उपयोग करने वाला देश का पहला सरकारी विभाग बन गया है : सीएम

हिमाचल में बनेगा ग्रीन कॉरिडोर, एक साल में एचआरटीसी को मिलेंगी 300 इलेक्ट्रिक बसें

शिमला। शिमला के रिज मैदान पर 11 इलेक्ट्रिक वाहनों को शुक्रवार को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि शिमला शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में संचालित होने वाले अधिकांश बस रूटों पर ई-बसें चलाई जाएंगी।

प्रदेश सरकार परवाणू-नालागढ़-ऊना-हमीरपुर-नादौन-देहरा परिवहन लाइन को क्लीन एंड ग्रीन कॉरिडोर बनाने जा रही है। इस योजना पर काम चल रहा है। शिमला के रिज मैदान पर 11 इलेक्ट्रिक वाहनों को शुक्रवार को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि शिमला शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में संचालित होने वाले अधिकांश बस रूटों पर ई-बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि रामपुर-शिमला कॉरिडोर में भी अधिकांश ई-बसों का संचालन किया जाएगा। शिमला में लोकल डिपो को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बस डिपो बनाया जाएगा। नादौन में नया इलेक्ट्रिक बस डिपो खोला जाएगा। दो साल में हिमाचल पथ परिवहन निगम को 60 प्रतिशत इलेक्ट्रिक बसें प्रदान कर दी जाएंगी। अगले वित्त वर्ष में सरकार हिमाचल पथ परिवहन निगम के बेड़े में 300 नई ई-बसें शामिल करेगी। इसके लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम को 400 करोड़ रुपये की धनराशि एकमुश्त स्वीकृत की जाएगी। निगम के बेड़े में चरणबद्ध तरीके से और अधिक ई-बसें शामिल की जाएंगी।

इलेक्ट्रिक वाहन उपयोग वाला देश का पहला विभाग

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का परिवहन विभाग पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक वाहन उपयोग करने वाला देश का पहला सरकारी विभाग बन गया है। कहा कि परिवहन विभाग के बाद अब राज्य सरकार अन्य विभागों के परंपरागत ईंधन से चलने वाले वाहनों को भी एक साल के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ प्रतिस्थापित करेगी। इससे विभागों के खर्चों में काफी कमी आएगी। कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम किया जाए। सरकार वर्ष 2025 तक प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य बनाने की दिशा में अनेक प्रभावी कदम उठा रही है।

इलेक्ट्रिक वाहन नीति को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि परंपरागत ईंधन वाले वाहनों से उड़ने वाला धुआं वायु प्रदूषण का मुख्य कारक है, इसलिए देश में अब इलेक्ट्रिक वाहनों की अनिवार्यता महसूस की जाने लगी है। कहा कि सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 अधिसूचित की है। इसका मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को परिवहन साधन के रूप में अपनाने को बढ़ावा देकर पर्यावरण की सुरक्षा को सुनिश्चित करना, हिमाचल को इलेक्ट्रिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के हब के रूप में विकसित करना है। इसके साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रदेश भर में सरकारी और निजी क्षेत्र में चार्जिंग ढांचा स्थापित करना, प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण उद्योगों को स्थापित करने के लिए उद्यमियों को सब्सिडी और अन्य प्रोत्साहन देना भी शामिल है।

यह एक क्रांतिकारी पहल: उप मुख्यमंत्री

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रिज मैदान से परिवहन विभाग को इलेक्ट्रिक वाहन प्रदान कर एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी पहल की है। इस नई पहल से जहां पैसे की बचत होगी, वहीं पर्यावरण तथा प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने के लिए भी एक सार्थक कदम होगी। प्रधान सचिव, परिवहन आरडी नजीम ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और परिवहन विभाग के इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, कृषि मंत्री चंद्र कुमार, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, मुख्य संसदीय सचिव मोहन लाल ब्राक्टा, आशीष बुटेल, रामकुमार चौधरी तथा किशोरी लाल, विधायक विनय कुमार, नंद लाल, इन्द्र दत्त लखनपाल, रवि ठाकुर, हरीश जनारथा, मलेंदर राजन तथा सुदर्शन बबलू और पूर्व मंत्री आशा कुमारी भी मौजूद रहे।

ये हैं नए वाहनों की खासियत

रिज मैदान से रवाना किए गए नए इलेक्ट्रिक वाहनों में फास्ट चार्जर की सुविधा है जिससे पांच-छह घंटे में वाहन को फुल चार्ज किया जा सकता है। फुल चार्ज होने पर वाहन को 437 से 452 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।

इनसाइड

हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या खुशबू, कसूरी मेथी का इस्तेमाल हर रसोई में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कसूरी मेथी न सिर्फ खाने का स्वाद अच्छा करती है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को भी ठीक करने में मदद करती हैं। आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की कौन सी 5 समस्याएं दूर होती हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद भी फायदेमंद-

ऐसी महिलाएं जो बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें कसूरी मेथी का सेवन जरूर करना चाहिए। कसूरी मेथी में पाए जाने वाले तत्व ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एनीमिया से करें बचाव-

भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी महिलाओं के लिए कसूरी मेथी का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। कसूरी मेथी में काफी मात्रा में आयरन मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। शरीर में खून की कमी होने पर अपनी डाइट में कसूरी मेथी को जरूर शामिल करें।

इंफेक्शन से करें बचाव-

पेट के इंफेक्शन से बचाव करने के साथ कसूरी मेथी का सेवन हार्ट, गैस्ट्रिक और आंतों की समस्याएं को भी दूर रखने में मदद करता है। अगर किसी महिला को पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो वो कसूरी मेथी की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर इसे उबले हुए पानी के साथ लें।

हार्मोनल बदलाव करे ठीक-

महिलाओं की बॉडी में जीवनभर हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं। जिसके पीछे पीरियड्स, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि कारण जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में कसूरी मेथी का सेवन हार्मोनल बदलाव को कंट्रोल करके उससे होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज करें कंट्रोल-

खानपान में गड़बड़ी का सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ने लगता है। इसे नियंत्रित करने के लिए मेथी का प्रयोग करें। मेथी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो ब्लड ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यह टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना को भी कम करता है।

पैरों के तलवों में छिपा है आपका भविष्य:

क्या आप जानते हैं कि पैरों की लकीरें भी हाथों की लकीरों के समान बेहद बलवान होती है। आमतौर पर आपने सुना और देखा है कि लोग अपने भविष्य को लेकर जब जब चिंतित होते हैं, तो वे तब तब उसके उपाय के लिए ज्योतिषविदों की शरण में पहुंचते हैं और अपने हाथ की रेखाओं के जरिए अपने भविष्य और वर्तमान का आकलन करते हैं। मगर इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार से आपके पैर भी आपके भविष्य में होने वाली घटनाओं और यहां तक की आपके व्यापार या विवाह से संबंधी कई तरह की जानकारी खुद में समेटे हुए हैं। पैर में नजर आने वाली लकीरों को आप कभी हल्के में मत लें क्योंकि कहीं न कहीं ये लकीरें ही हमारा भाग्य लिखने में सक्षम साबित होती है। तो आईए जानते है कि पैरों के तलवे किस प्रकार व्यक्ति के भविष्य की गाथा सुनाते हैं। वो लोग जिनके पैरों के तलवे एक दम सीधे या फ्लैट होते हैं और जिनके पैर सीधा जमीन की सतह को छूते हैं, वे लोग खुली विचारधारा के होते हैं। वे काम के प्रति बेहद सतर्क और परिश्रमी होते हैं। वे हमेशा अपना काम छोड़कर पहले दूसरों की मदद के लिए हर वक्त तैयार रहते है और अपने विचारों से अन्य लोगों का दिल जीतने की भी उनमें एक अनोखी प्रकार की विधा होती है। इसके अलावा इन लोगों को अपने व्यवहार और दया भावना के लिए समाज में काफी सम्मान मिलता है। अपनी अच्छी सोच की बदौलत इन्हें जीवन में खूब सफलता हासिल होती है।

महिलाओं को उदासी, निराशा और डिप्रेशन की शिकायत करती है काफी परेशान, अपनाये ये नुस्खे

सर्दी आते ही दिन छोटे हो जाते हैं और रोशनी की कमी हो जाती है. ये चीजें डिप्रेशन को ट्रिगर कर सकती हैं. विंटर ब्लूज के ये लक्षण कई महिलाओं में देखने को मिलते हैं, जिससे परिवार के अन्य सदस्य भी प्रभावित हो सकते हैं. महिलाएं विंटर ब्लूज से खुद को कुछ टिप्स अपनाकर उबार सकती हैं.

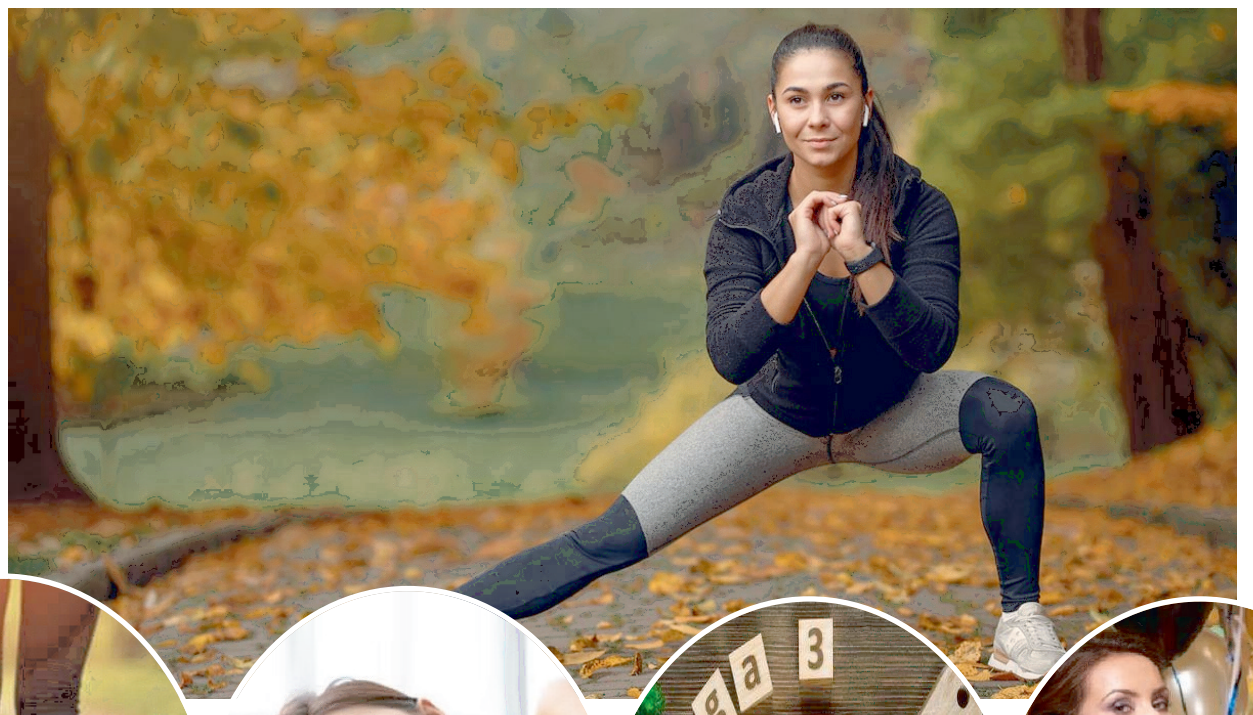

विंटर के मौसम में उदासी, निराशा और डिप्रेशन की शिकायत काफी महिलाओं को परेशान करती है. खासतौर पर अगर वे हाउस वाइफ या उम्रदराज महिला हैं तो विंटर ब्लूज़ के कई लक्षण उन्हें घर पर उदास महसूस कराते हैं. एवरीडेहेल्ड के मुताबिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के विशेषज्ञ यह मानते रहे हैं कि विंटर ब्लूज़ काफी कॉमन समस्या है जिसमें सामान्य से अधिक उदासी, कम ऊर्जावान या किसी भी चीज में मन ना लगने जैसे लक्षण दिखते हैं. शिकागो में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा और व्यवहार विज्ञान के प्रोफेसर जैकलिन गोलन का कहना है यह एक संकेत है कि जो बताता है कि उन्हें अब जीवन में खुद पर कुछ ध्यान देने की जरूरत है और इसे आप इग्नोर नहीं कर सकते हैं. ऐसे में अगर इन दिनों आपमें भी विंटर ब्लूज़ के लक्षण दिख रहे हैं तो जरूरी है कि आप अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव लाएं और खुद का खास ख्याल रखें.

विंटर ब्लूज से बचने के उपाय

वॉक पर जाएं

अगर आप रोज 20 मिनट तक बाहर वॉक पर जाएं तो इससे आपके डिप्रेशन को कम करने और खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से बेहतर रखने में काफी मदद मिलेगी.

नींद पर दें ध्यान

यह जरूरी है कि आप 8 से 9 घंटे की नींद पूरी करें. इसके लिए बेहतर होगा कि आप अलार्म लगाएं. बेहतर नींद के लिए आप अपने लाइफस्टाइल में बदलाव लाएं. आप अपने सोने के रुटीन को भी हेल्दी और आरामदायक रखें.

खूब हंसें

अगर आप परेशान हैं तो बेहतर होगा कि आप कुछ कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवी देखें और खूब हंसें. ये आपके ब्रेन में पनप रहे डिप्रेशन हार्मोन को कंट्रोल करने में मदद करेगा और आप मेंटली रिलैक्स महसूस करेंगी.

कोकोआ का सेवन

विंटर ब्लू के असर को दूर करने के लिए आप अपने डाइट में कोकोआ को शामिल करें. इसके लिए आप गर्मागर्म पानी में कोकोआ पाउडर को मिलाएं और चाय की तरह इसका आनंद उठाएं. इसमें मौजूद विटामिन डी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट सेरोटोनिन लेवल मेंटल रिलैक्स महसूस करने में मदद करता है.

ओमेगा 3 फैटी एसिड

आप अपने डाइट में ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर भोजन को शामिल कर सकते हैं. इसके लिए आप डाइट में मछली, ड्राई फ्रूट आदि को शामिल करें.

पार्टी अरेंज करें

आप विंटर में छोटी छोटी पार्टीज़ अरेंज कर भी डिप्रेशन से दूर हो सकती हैं. मसलन, डिनर पार्टी, बोर्ड गेम पार्टी, किटी पार्टी आदि. इससे आपका सोशल सर्कल बढेग़ा और आप खुद को इंगेज रख पाएंगी.

धूप में कुछ देर बैठें

विंटर में वैसे तो धूप लेना हर कोई करना चाहता है. लेकिन अगर आप उदासी से परेशान हैं तो भी बाहर निकलें और धूप में बैठें. ये आपके शरीर में विटामिन डी लेवल को ठीक रखने का काम करेगा, जिससे आपका मूड बूस्ट होगा.

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं :

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है. वेजाइना से किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

बच्चों की पढ़ाई को आसान बनाने वाले मेथड

कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

पढ़ने-लिखने की जब बात आती है, तो बच्चे अकसर जवाबों को रटते हुए नजर आते हैं। जहां एक तरफ टीचर्स को कोर्स खत्म करवाने की जल्दी होती है, तो वहीं बच्चे बिना किसी सवाल का मतलब समझे उसके जवाब ज्यों का त्यों रट लेते हैं, ताकि मार्क्स में कोई कमी न रहे। कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

क्या होता है पिक्टोरियल मैथड ?

पिक्टोरियल (Pictorial Method) यानी किसी पिक्चर से संबधित। अगर आप किसी सवाल के जवाब को याद करना चाहते हैं, तो उसे किसी तस्वीर से जोड़ दें या किसी अन्य घटना से जोड़ दें, ताकि आपको वो जवाब उम्र भर के लिए याद हो जाए। अगर आप इतिहास को याद करने में असमर्थ है, तो उसके विषयों को पिक्चर फार्म में याद करने की आदत डालें। जैसे अगर हमें समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की बात करनी है, तो हम किसी राजा का चित्र बनाकर उनकी बताई शिक्षाओं को आसानी से बच्चों को याद करवा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे।

देर तक रहता है याद

अगर मैंने एक बार किसी प्रश्न को किसी तस्वीर से जोड़ दिया, तो वो उम्र भर आपको भूल नहीं पाएगा। दरअसल ज्यादातर लोगों की पिक्चर मैमरी तेज होती है। इससे वो जब किसी चीज को एक बार देख लेते हैं, तो वो चीज उनके जहन में उतर जाती है। फिर उसे याद करना तो आसान है। साथ ही वो हमेशा के लिए हमारे माइंड में सेव भी हो जाता है।

विषय बन जाता है रोचक

अगर टीचर बोल-बोल कर किसी विषय पर जानकारी दे रहे हैं, तो कुछ देर बाद बच्चे बोर होने लगते हैं। कोई किताब में तस्वीर बनाता नजर आएगा, तो कहीं दो स्टूडेंट आपस में बात करने लगेंगे। ऐसे में अगर आप बतौर टीचर बच्चों को बोलने के साथ-साथ तस्वीर के जरिए बोर्ड पर साथ-साथ समझाने लगते हैं, इससे बच्चों में दिलचस्पी बनी रहती है। अगर हम बच्चों को इकोनॉमिक्स पढ़ा रहे हैं और रूपये की बात कर रहे हैं, तो रूपये का निशान बनाकर नीचे दो लकीरें खींच दें और उसकी दो टांगे बना दें। इस तरह से बच्चे लंबे वक्त तक अटैंटिव रहते हैं और विषय की रोचकता भी बनी रहती है।

बच्चों की इन्वाल्मेंट बढ़ती है

अब जो बच्चे पढ़ाई से हर वक्त जी चुराते हैं, वो भी पिक्टोरियल मैथड के जरिए मुश्किल सब्जेक्ट को भी आसानी से पढ़ लेते हैं और इंटरस्ट लेने लगते हैं। अब बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होने लगती है। वे अब उस सब्जेक्ट के प्रति सजग होने लगते हैं और ज्यादा जानने की इच्छा रखने लगते हैं। इससे बच्चे का जुड़ाव किताबों की ओर बढ़ने लगता है।

विषय के प्रति जानकारी बढ़ती है

अब तक बच्चे केवल उत्तर को रट रहे थे, मगर अब तरह तरह की तस्वीरों और अलग अलग प्रकार के कार्टून करेक्टर या सिम्बल क्रिएट करके वे पढ़ाई को नए तरीके से याद रख रहे हैं। इससे आपको केवल उपरी ज्ञान नहीं बल्कि विषय के बारे में गहन जानकारी हासिल हो सकती है। अब आप विषय को सीधा देखने की बजाय उसके हर एंगल को खोजने का प्रयास करेंगे, जो आपकी पढ़ाई को आसान बना देगा और आपका ज्ञानकोष भी भर देगा। इससे हर ज्ञान के समुद्र में डुबकी लगा सकते हैं और बिना याद करने का प्रयास किए कुछ पिक्चर्स के ज़रिए चीजों को आसान बना सकते हैं।

बच्चे क्रिएटिव बनते हैं

जब हम बच्चों को पिक्टोरियल मैथड से समझाने लगते हैं, तो नदियों और नहरों से लेकर ब्रिटिश इतिहास तक हर टॉपिक बच्चों को अब आसान लगने लगता है। दरअसल, जिन चीजों को याद करने में खूब प्रयास करते थे, वे अब बच्चे धीरे-धीरे अपने आप से कटेंट से जुड़ी तस्वीर क्रिएट करने लगते हैं। जो लेसन्स को किताब के पन्नों से उठाकर सीधा दिमाग में सेव कर देते हैं। इस तरह बच्चों का पढ़ाई से भी जुड़ाव बढ़ने लगता है और उन्हें हर विषय आसानी से याद हो जाता है। इसके अलावा ये तकनीक बच्चों को क्रिएटिव भी बनाती है। वे चीजों को एक दूसरे से इंटरलिक करने लगते है, जिससे बच्चों में ज्ञान में अपार वृद्धि होती है।

बच्चों में डिप्रेशन की समस्या हो जाएगी छू मंतर

अधिकतर ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चों को विषयों के बारे में अलग-अलग ढंग से जानकारी देने की कोशिश की जाती है। इसमें से सबसे लोकप्रिय तकनीक है पिक्टोरियल। अगर हम बच्चों की स्कूल की किताबें उठाकर देखें, तो हर चैप्टर में मात्र एक से दो पिक्चर बनी हुई नजर आती है। मगर जैसे-जैसे क्लासिस बढ़ती चली जाती है, वैसे-वैसे पिक्चर का चलन बुक में से खत्म हो जाता है। जो पढ़ाई को बोरिंग बना देता है। बचपन की किताबों में तस्वीरें रंगबिरंगी नजर आती है और उसके बाद किताबें मोटी होती जाती है, तस्वीर भी रंगहीन हो जाती है। धीरे-धीरे बच्चों का मन पढ़ाई से ऊब जाता है। हम जब बच्चों को पढ़ाई की तरफ दोबारा मोड़ना चाहते हैं, तो कई बार ऑनलाइन क्लासिस का सहारा लेते है, जिससे बच्चे दोबारा उसी जोश के साथ पढ़ाई करने लगते हैं।

बच्चों को पढ़ाई के लिए हर बार मजबूर करना पेरेंटस और बच्चे के आपसी रिश्ते को कमजोर बना देता है। बेशक, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई जरूरी है, मगर पहले हमें उनके स्तर और जरूरतों को समझना होगा, ताकि आसानी से वे अपनी हर बात आपसे शेयर कर सकें।

ब्रीफ न्यूज

देश को एकजुट समर्थन की जरूरत, हमारे विकास की रफ्तार पर न लगे कोई ग्रहण

नई दिल्ली। 'फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया' के अभियान में अपनी भागीदारी जरूरी है। यह देश को विकास पथ पर अग्रसर करने वाले महान लोगों के प्रति आभार होगा। हमारी पृथ्वी अब 8 अरब लोगों का घर है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें सबसे बड़ा योगदान भारत का है, जो इस साल चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस बीच विश्व आर्थिक मंच से एक बुरी खबर आई है कि इसी साल पूरी दुनिया में मंदी अपना पांव पसार लेगी। 'प्राइस वाटर सुपरमैन' की रिपोर्ट के अनुसार, अगला एक साल बेहद कठिन रहेगा। इस मंदी का असर भारत पर भी पड़ेगा। लगभग 140 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी बचाने और विकास दर बढ़ाने की चुनौती रहेगी।

इससे पार पाने के लिए देशवासियों की एकजुटता ही समाधान देगी। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 18 महीने का कार्यकाल चुनौतियों से भरा था। उस समय भोजन का भारी संकट था और चीन से शिकस्त के बाद भारत का मनोबल उठाने की चुनौती थी। पाकिस्तान ने 1965 में भारत पर हमला बोल दिया। गरीबी के कारण भारत एक और युद्ध का सामना करने की स्थिति में नहीं था, लेकिन शास्त्री जी को देशवासियों ने पूर्ण समर्थन दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान हार गया। शास्त्री जी ने कब्जा किए हुए क्षेत्र को लौटाने से मना कर दिया, तब अमेरिका और रूस ने ताशकंद समझौते का फॉर्मूला निकाला। शास्त्री जी के समय ही आर्थिक मोर्चे पर भी भारत को अलग ताकत मिली। 'हरित क्रांति' के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन ने गेहूं उत्पादन और डॉ. वर्गीज कुरियन ने 'श्वेत क्रांति' के बीज बोए। उनसे पहले मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने बांध, भवन और मूलभूत ढांचा निर्माण उद्योग को बढ़ावा देकर विकास को स्थाई आधार दिया। 90 के दशक के बाद दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी का आगमन हुआ, आवासीय भवन निर्माण में तेजी आई, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर देश बढ़ा और आज डिजिटल करेंसी के दौर में हम पहुंच गए हैं। समय, काल और परिस्थितियां किसी भी राष्ट्र के विकास के महत्वपूर्ण कारक हैं। कोविड-19 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी पर भी ब्रेक लगा, लेकिन महामारी पर नियंत्रण के बाद भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल हो गया।

आज देश को एकजुट समर्थन की जरूरत है, ताकि हमारे विकास की रफ्तार पर कोई ग्रहण न लगे। इसलिए अब हाथों में हाथ डालकर तिरंगे की प्रेरणा से राष्ट्रीय एकता को अपनी ढाल बनाने की आवश्यकता है। यही वजह है कि 'फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया' ने देशवासियों को जोड़ने के लिए शपथ अभियान चला रखा है। प्रयास है कि प्रत्येक देशवासी यह समझे कि भारत सबसे पहले है। पिछले वर्ष देश के प्रति प्रेम का भाव जगाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया और अगले 25 साल अमृत काल के रूप में परिभाषित किए गए, जिसमें हमें भारत को अग्रणी राष्ट्र बनाना है। 23 जनवरी, 2004 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद देशवासियों को साल के 365 दिन पूरे तिरंगा फहराने की जो आजादी मिली, वो राष्ट्र को मजबूत करने के एक दायित्व के रूप में मिली। हमारा देश विविधताओं में एकता का देश है तो इस एकता के पीछे हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। तिरंगे में निहित देशभक्ति की भावना को घर-घर पहुंचाने के लिए चलाया गया फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया का अभियान देश को आजादी दिलाने वाले और देश को विकास पथ पर अग्रसर करने वालों के प्रति के योगदान के प्रति एक आभार है।

पार्किंग विवाद में कर्मचारियों को बैट से पीटा, एक गंभीर रूप से घायल, दूसरा आईसीयू में

नई दिल्ली। हादसे का शिकार मनोज ने बताया कि जब उसने हमें पीटना शुरू किया तो हम भागे लेकिन उसने मेरे सह-कर्मचारियों को पकड़ लिया और उसे बुरी तरह पीटा। वह अभी आईसीयू में है। वसंत विहार में पार्किंग शुल्क देने से इनकार करने पर व्यक्ति ने कथित तौर पर 2 पार्किंग कर्मचारियों को बैट से पीटा। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार इस झड़प में 1 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे का शिकार मनोज ने बताया कि जब उसने हमें पीटना शुरू किया तो हम भागे लेकिन उसने मेरे सह-कर्मचारियों को पकड़ लिया और उसे बुरी तरह पीटा। वह अभी आईसीयू में है। हमने शिकायत की है।

विवाद के बीच एलजी ने दी मनीष सिसोदिया को विदेश यात्रा की अनुमति, खर्च को लेकर फंसा पेंच

एलजी कार्यालय से कहा गया है कि एक ही रिपोर्ट में दो विरोधाभासी बातें देखते हुए इस यात्रा के लिए सैद्धांतिक मंजूरी तो दे दी गई है

एनटीवी संवाददाता

एलजी कार्यालय से कहा गया है कि एक ही रिपोर्ट में दो विरोधाभासी बातें देखते हुए इस यात्रा के लिए सैद्धांतिक मंजूरी तो दे दी गई है लेकिन आवश्यक मंजूरी केंद्र सरकार से लेनी होगी।

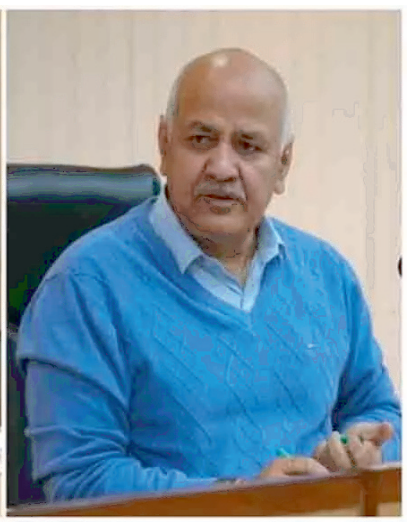

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के फिनलैंड में प्रशिक्षण वाले मुद्दे पर केजरीवाल सरकार से खींचतान के बीच उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के विदेश दौरे को मंजूरी दे दी है।

इस विदेश दौरे पर डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनके सचिव और सचिव (शिक्षा) को जाना है। शिक्षा विभाग द्वारा इस आशय की फाइल पर एक विरोधाभासी प्रस्ताव को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि उक्त यात्रा का खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया जाएगा और सरकार पर कोई वित्तीय दायित्व नहीं होगा और साथ ही कहा कि सिसोदिया के दौरे का यात्रा खर्च जीएनसीटीडी द्वारा वहन किया जाएगा।

एलजी प्रस्तावित दौरे के लिए सैद्धांतिक रूप से, आवश्यक मंजूरी और अन्य कोडल औपचारिकताओं को पूरा करने के अधीनस्थ सहमत हुए हैं। गौरतलब है कि सीएम मनीष सिसोदिया ने सचिव निदेशक (शिक्षा) और उनके अपने सचिव के साथ सिटी पोर्टलैंड, ओरेगन, यूएसए में आयोजित होने वाले TESOL शिक्षा सम्मेलन में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की है।

एलजी को भेजी गई फाइल में खर्च को लेकर कंफ्यूजन

इसके लिए एक फाइल एलजी के पास गई थी, जिसमें एक पैरा में सचिव आदि के खर्च आयोजनकर्ता द्वारा उठाने की बात कही गई थी, वहीं डिप्टी सीएम के खर्च को जीएनसीटीडी द्वारा उठाने की बात थी। एलजी कार्यालय से कहा गया है कि एक ही रिपोर्ट में दो विरोधाभासी बातें देखते हुए इस यात्रा के लिए सैद्धांतिक मंजूरी तो दे दी गई है लेकिन आवश्यक मंजूरी केंद्र सरकार से लेनी होगी। केंद्र सरकार से एफसीआरए मंजूरी सहित, जैसा कि किसी भी राज्य के किसी भी मंत्री या अधिकारी द्वारा किए गए प्रत्येक विदेशी दौरे के मामले में होता है।

AAP की मेयर प्रत्याशी शैली ओबेरॉय ने याचिका ली वापस, सुप्रीम कोर्ट से की थी चुनाव कराने की मांग

नई दिल्ली। आप पार्टी की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने समयबद्ध तरीके से मेयर चुनाव कराने की मांग वाली अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली। आम आदमी पार्टी की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने समयबद्ध तरीके से मेयर चुनाव कराने की मांग वाली अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली है। बता दें कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मेयर उम्मीदवार डॉ. शैली ओबरॉय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दिसंबर में दिल्ली नगरपालिका के चुनाव हुए थे और तभी परिणाम भी आ गए थे। उसके बाद से अब तक मेयर के चुनाव नहीं हो सके हैं। जनवरी में दो बार 9 जनवरी और 24 जनवरी को मेयर चुनाव की तारीख तय की गई, लेकिन दोनों ही बार सदन हंगामे की भेंट चढ़ गया और चुनाव टल गए। शैली ओबेरॉय के याचिका दायर करने के तीन दिन बाद एमसीडी ने सदन की बैठक बुलाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी थी। एमसीडी ने 10 फरवरी को बैठक बुलाने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजा था, लेकिन दिल्ली सरकार ने तीन, चार व फरवरी में से किसी एक दिन सदन की बैठक बुलाने का प्रस्ताव भेजा। इस तरह उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के प्रस्ताव के मुताबिक छह फरवरी को सदन की बैठक बुलाने के निर्देश दिए थे।

महापौर चुनाव के घमासान के बीच नगर निगम का बजट पास

एनटीवी संवाददाता

एमसीडी ने महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच मचे घमासान के बीच अगले वित्तीय वर्ष के लिए बजट पास कर दिया।

दिल्ली। निगम आयुक्त की ओर से प्रस्तुत बजट को विशेष अधिकारी ने हरी झंडी दे दी है। एमसीडी ने अगले वर्ष कूड़े की समस्या दूर करने के साथ-साथ शिक्षा, सफाई, हरियाली व स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया है। हालांकि, आम जनता की जेब ढीली करने के लिए 30 जून तक संपत्ति कर जमा कराने पर दी जाने वाली छूट में कटौती कर दी गई है। एमसीडी अब 15 की जगह 10 प्रतिशत छूट देगी।

एमसीडी ने बुधवार को उस समय बजट को हरी झंडी दी जब केंद्र सरकार का बजट संसद में प्रस्तुत किया जा था। खास बात यह है कि अधिकारी बजट पास करने के संबंध में पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है। इसकी आम आदमी पार्टी व भाजपा के पार्षदों को कोई जानकारी नहीं है। एमसीडी का बजट 15 फरवरी तक सदन में पास करना अनिवार्य है। इस बार सदन अस्तित्व में नहीं होने के कारण आयुक्त ने विशेष अधिकारी से बजट पास करा लिया और अब सदन बजट प्रस्तावों में परिवर्तन नहीं कर सकेगा। एमसीडी अगले साल करीब 17 हजार करोड़ खर्च करेगी, जबकि उसे 16 हजार करोड़ की आय का अनुमान है। एक हजार करोड़ रुपये के घाटे की भरपाई इस साल बचत करने से होगी।

सबसे अधिक सफाई व्यवस्था पर खर्च किया जाएगा। एमसीडी ने सफाई पर करीब 25% व्यय करने का लक्ष्य रखा है। शिक्षा पर करीब 18% व स्वास्थ्य सेवाओं पर 10% खर्च किया जाएगा। इसी तरह सड़क, गली, स्ट्रीट लाइट आदि विकास कार्यों पर भी 11% खर्च किया जाएगा।

बजट की प्रमुख बातें

एमसीडी ने जीरो वेस्ट बनाने की दिशा में 49 कालोनियों एवं ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी और 35 कॉलोनियों एवं ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों को हरित मित्र घोषित किया है। इन कॉलोनियों को संपत्ति कर में 5% की छूट प्रदान की जाएगी।

सभी स्कूलों को स्मार्ट स्कूलों में बदला जाएगा। सभी कक्षाएं इंटरएक्टिव पैनल और व्हाइट बोर्ड से लैस होंगी। सभी स्कूलों के परिसर सीसीटीवी कैमरों, सोलर पैनल, वर्षा जल संचयन प्रणाली और दिव्यांग के अनुकूल बुनियादी ढांचे की सुविधाओं से युक्त होंगे। सभी स्कूल आधुनिक और डिजिटल पुस्तकालयों से लैस होंगे। खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। मेधावी छात्रों को साइकिल प्रदान करने की जाएगी।

बैंक स्ट्रीट करोल बाग में 500, पंजाबी बाग क्लब रोड भारत दर्शन पार्क व ईदगाह रोड पर 1836, शास्त्री पार्क करोल बाग में 577, राजेन्द्र नगर में 464, पूसा लिंक पार्किंग में 381, मादीपुर मेट्रो स्टेशन में 580, आरजी कांप्लेक्स पहाड़गंज में 350, ओल्ड एमसीडी जोनल ऑफिस, एसपी जोन में 176, जीके-2 मार्केट में 238 कारों के लिए पार्किंग बनाई जाएगी।

ओखला और भलस्वा लैंडफिल साइट पर कूड़ा खत्म करने का कार्य इस साल दिसंबर और गाजीपुर लैंडफिल साइट पर कूड़े के पहाड़ खत्म करने का कार्य दिसंबर 2024 तक किया जाएगा। तेहखंड व ओखला के निकट इंजीनियरिंग लैंडफिल साइट की स्थापना की जाएगी। नालों के पानी को उपयोग में लाए जाने के लिए एसटीपी की स्थापना की जाएगी।

कोंडली में ग्रीन स्पेस और हर्बल पार्क विकसित किया जाएगा। देशबंधु अपार्टमेंट के पास जैरीकेप गार्डन विकसित किया जाएगा। जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के मद्देनजर 150000 पौधों सहित गमले खरीदे जाएंगे। धूल प्रबंधन और अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधा प्रदान करने के लिए पार्कों में पाइप लाइन के साथ 50 केएलडी क्षमता के 16 एसटीपी की स्थापना की जाएगी।

केजरीवाल ने कहा- पंजाब के अध्यापक जा रहे हैं सिंगापुर, एलजी दें फिनलैंड की मंजूरी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से एक बार फिर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड जाने की अनुमति मांगी है। बृहस्पतिवार को उन्होंने कहा कि पंजाब के 36 शिक्षक ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जा रहे हैं, दिल्ली के शिक्षकों को भी जाने की अनुमति दें। दिल्ली की तर्ज पर पंजाब के सरकारी स्कूलों के 36 प्रिंसिपल 6 से 10 फरवरी तक ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जा रहे हैं, जो वापस आकर अपने स्कूल सुधारेंगे। हमारे 30 प्रिंसिपल दिसंबर में ट्रेनिंग करने जाने वाले थे, लेकिन उपराज्यपाल की आपत्ति की वजह से नहीं जा पाए। अब हमारे स्कूलों के 30 प्रिंसिपल मार्च में विदेश जाने वाले हैं। 20 जनवरी को तीसरी बार इसकी फाइल भेजी है और अभी तक यह उपराज्यपाल कार्यालय में लंबित है। जब उपराज्यपाल को शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए विदेश जाने से कोई आपत्ति नहीं है तो फाइल इतने दिनों से लंबित क्यों हैं। बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति हो रही है। दिल्ली में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। ऐसा अब पंजाब में भी हो रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब में इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक कर स्कूलों का कायाकल्प कर रहे हैं। दिल्ली से अभी तक एक हजार से अधिक प्रिंसिपल विदेशों में जाकर ट्रेनिंग ले चुके हैं और लौटने के बाद उन्होंने अपने स्कूलों को सुधारा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप के सारे विधायक फाइल को पास करवाने राजनिवास गए थे, उस समय एलजी ने मीडिया में कहा था कि शिक्षक को विदेश भेजने पर कोई आपत्ति नहीं है। फिर फाइल क्यों लंबित है। कानूनों और संविधान में साफ-साफ लिखा है कि एलजी मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता मानने को बाध्य हैं। इसका मतलब यह होता है कि फाइलें एलजी के पास नहीं जानी चाहिए। दिल्ली में भी 2018 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने आर्डर किया था कि एलजी के पास फाइलें नहीं जाएंगी। मुख्यमंत्री और मंत्री सारे निर्णय लेंगे और वे तुरंत लागू कर दिए जाएंगे, लेकिन 2021 में केंद्र सरकार ने कानून पास कर दिया और उसमें लिख दिया कि सारी फाइलें एलजी के पास जाया करेंगी। यह कानून बिल्कुल गलत है। अब सारी फाइलें एलजी के पास जाती हैं और हर फाइल पर एलजी कोई न कोई आपत्ति लगा देते हैं।

रात 11 से सुबह 5 बजे तक दिल्ली पुलिस करेगी नाइट पेट्रोलिंग, हो गया ड्यूटी का बंटवारा

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। कंझावला कांड के बाद पुलिस की खराब हुई छवि को पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ठीक करने की कोशिश में जुटे हैं। बाहरी दिल्ली में रात के समय अंजलि को 13 किमी तक घसीटा गया था, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी थी, जबकि रूट पर पांच पीसीआर और पिकेट लगी हुई थी। ऐसे में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने आदेश दिया है कि पुलिसकर्मी अब रात में 11 से सुबह 5 बजे तक नाइट पेट्रोलिंग करेंगे। हर पिकेट पर तीन पुलिसकर्मी तैनात होंगे। हर पुलिसकर्मी की अलग-अलग ड्यूटी होगी।

पुलिसकर्मियों की सतर्कता तो चेक करने के लिए नाइट ऑफिसर (जीओ) की ओर से टेस्ट कॉल की जाएंगी। नाइट पेट्रोलिंग की चेकिंग का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज करना होगा। पुलिस ने 31 जनवरी को सर्कुलर (नंबर-4) जारी कर आदेश में कहा है कि पुलिसकर्मी नाइट पेट्रोलिंग करेंगे। हर पुलिस स्टेशन में होमगार्ड व पुलिस मित्र की इस दौरान सहायता ली जाएगी। बॉर्डर, स्थायी पिकेट, मोबाइल पेट्रोलिंग व फुट पेट्रोलिंग भी होगी।

वायरलेस सेट, छोटे हथियार व वाहन रजिस्टर नाइट पेट्रोलिंग में तैनात पुलिसकर्मियों को दिए जाएंगे। थाना इलाके में बनी हर एक पिकेट पर तीन पुलिसकर्मी तैनात होंगे। पिकेट पर तैनात एक पुलिसकर्मी के पास लंबी दूरी तक वार करने वाला हथियार होगा। वह सुविधा के हिसाब से अपनी पोजिशन लेकर तैनात रहेगा। पिकेट पर तैनात दूसरा पुलिसकर्मी गुजरने वाले वाहनों की चेकिंग करेगा। तीसरा पुलिसकर्मी चेक किए गए वाहनों का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज करेगा।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहनों का ब्योरा रजिस्टर में किया जाएगा दर्ज

वाहनों पर नाइट पेट्रोलिंग करने वाले पुलिसकर्मियों के पास बड़े हथियार होंगे और संदिग्ध वाहनों को चेक करेंगे। संदिग्ध वाहनों का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। पुलिसकर्मियों को रजिस्टर जिला डीसीपी की ओर से उपलब्ध कराए जाएंगे। अगर नाइट पेट्रोलिंग व पिकेट पर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को ये रजिस्टर नहीं मिला तो संबंधित स्टाफ, थाने में तैनात इंस्पेक्टर (कानून व्यवस्था) और संबंधित थानाध्यक्ष के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। नाइट जीओ रात को ड्यूटी के दौरान ये सुनिश्चित करेंगे कि एसआई व इंस्पेक्टर पिकेट और नाइट पेट्रोलिंग स्टाफ को चेक कर रहे रहे हैं या नहीं।

रोहिणी इलाके में मुठभेड़, पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो बदमाशों को दबोचा

स्पेशल सेल के मुताबिक ये दोनों बदमाश जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से जुड़े हुए हैं और उसके गुर्गों सहित अन्य गैंगस्टर के साथ मिलकर कई बड़े अपराधिक मामलों को अंजाम दे चुका हैं।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा पकड़े गए बदमाशों का नाम संदीप और जतिन है। इनमें आरोपी संदीप मूल रूप से हरियाणा के झज्जर का रहने वाला है जबकि दूसरा आरोपी जतिन पिछले कई सालों से दिल्ली के बाबा हरिदास नगर में रह रहा है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रोहिणी इलाके में मुठभेड़ के बाद दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, दोनों अपराधी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े हैं। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के सूत्रों के मुताबिक, रोहिणी के सेक्टर 28 और 29 के इलाके में उन दोनों बदमाशों के होने की जानकारी मिली थी। उसके बाद एसीपी वेद प्रकाश और इंस्पेक्टर मोर्चाबंदी की। लेकिन उसी दौरान उन बदमाशों ने स्पेशल सेल की टीम के ऊपर फायरिंग कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल सेल की टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। उसके बाद मुठभेड़ के दौरान उन दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बदमाशों का नाम संदीप और जतिन है। इनमें आरोपी संदीप मूल रूप से हरियाणा के झज्जर का रहने वाला है जबकि दूसरा आरोपी जतिन पिछले कई सालों से दिल्ली के बाबा हरिदास नगर में रह रहा है।

स्पेशल सेल के मुताबिक ये दोनों बदमाश जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से जुड़े हुए हैं और उसके गुर्गों सहित अन्य गैंगस्टर के साथ मिलकर कई बड़े अपराधिक मामलों को अंजाम दे चुका हैं। फिलहाल दोनों बदमाशों को औपचारिक तौर पर मेडिकल जांच लिए भेजा गया। जिसके दोनों से दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम विस्तार से पूछताछ की जा रही है।

विकास ने 4 KM भागकर बचाई जान: व्यापारी की ऑडी में मारी टक्कर

विरोध पर ऑल्टो सवार बदमाशों ने की अपहरण की कोशिश

एनटीवी न्यूज

विकास का कहना है कि आरोपियों ने चार किलोमीटर तक उनकी कार का पीछा किया और रेलवे स्टेशन कट के आसपास वह पहुंचे तो पीछे कार नहीं दिखी।

गाजियाबाद। परिचित से मिलने आए उद्यमी विकास चतुर्वेदी की ऑडी कार में लालकुआं के पास ऑल्टो कार सवार चार युवकों ने पहले टक्कर मारी और विरोध करने पर उसके अपहरण की कोशिश की। उद्यमी ने जान बचाने के लिए भागने का प्रयास किया तो नशे में धुत आरोपियों ने चार किलोमीटर तक उनका पीछा किया।

आरोपियों की कार पर एक किसान संगठन के जिला महामंत्री के पदनाम का स्टीकर लगा था। उद्यमी ने आरोपियों की कार के नंबर के आधार पर घंटाघर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विकास चतुर्वेदी ट्रॉनिका सिटी की सिग्नेचर रेजिडेंसी में रहते हैं और ट्रॉनिका सिटी में ही फूड प्रोसेसिंग यूनिट चलाते हैं।

विकास का कहना है कि 29 जनवरी को वह अपने ड्राइवर के साथ ऑडी कार से आ रहे थे। लालकुआं पुल के नीचे एक सफेद रंग की ऑल्टो कार चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। उन्होंने और ड्राइवर ने कार से उतरकर ऑल्टो कार सवार युवकों को टोका तो गलती मानने की बजाय वह गाली-गलौज करने लगे।

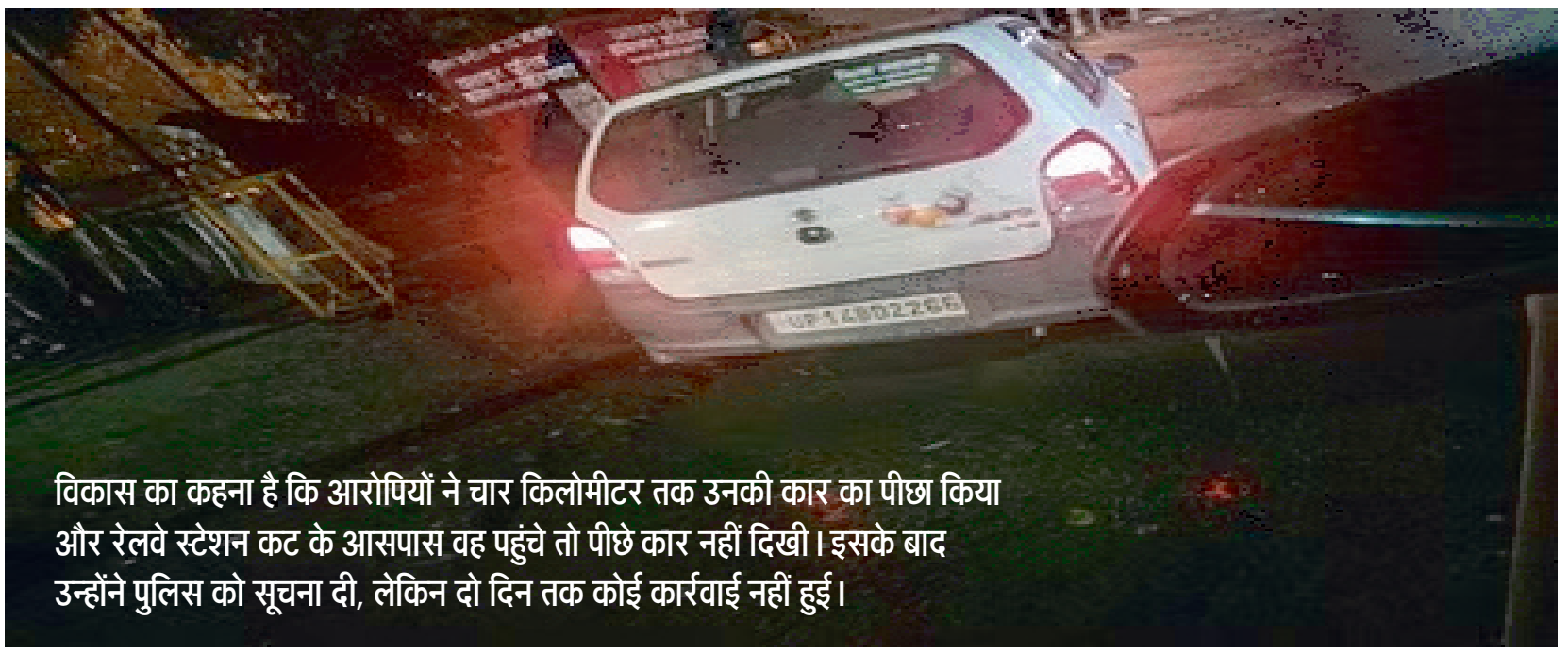

विकास का कहना है कि आरोपियों ने चार किलोमीटर तक उनकी कार का पीछा किया और रेलवे स्टेशन कट के आसपास वह पहुंचे तो पीछे कार नहीं दिखी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी, लेकिन दो दिन तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कार में चार युवक थे और शराब पी रहे थे। इनमें से एक ने खाकी रंग की टोपी पहन रखी थी। वह कार में बैठ गए तो आरोपियों ने कार का शीशा तोड़कर उन्हें बाहर खींचने की कोशिश की। उनके ड्राइवर ने कार आगे बढ़ाई तो आरोपियों ने अपनी कार से उन्हें ओवरटेक किया और आगे पुलिस बूथ पर कार रोक ली। उन्होंने मोबाइल से हमलावरों की कार का फोटो खींचा तो आरोपियों ने फिर उनकी कार का पीछा शुरू कर दिया।

विकास का कहना है कि आरोपियों ने चार किलोमीटर तक उनकी कार का पीछा किया और रेलवे स्टेशन कट के आसपास वह पहुंचे तो पीछे कार नहीं दिखी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी, लेकिन दो दिन तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कमिश्नर से शिकायत पर दर्ज हुई रिपोर्ट

विकास चतुर्वेदी का कहना है कि दो दिन तक कार्रवाई न होने पर उन्होंने पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र को फोन कर आपबीती बताई और शिकायत की। इसके बाद दो फरवरी को उनकी रिपोर्ट दर्ज की गई। एसीपी अंशु जैन का कहना है कि शिकायतकर्ता की ओर से बताए गए कार के नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। कार को ट्रेस कर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता समेत दो लोगों की गाड़ी के पहिये चोरी

साहिबाबाद। रामप्रस्था के बी और सी-ब्लॉक में मंगलवार रात चोर सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. सौरभ कपूर और उनके पड़ोसी अर्पण जैन की गाड़ियों के चार-चार पहिये चोरी कर ले गए। दोनों गाड़ियां घर के बाहर पार्किंग में खड़ी थीं। चोर सफेद रंग की गाड़ी से आए और दोनों गाड़ियों को जैक की मदद से ऊपर उठाकर चोरी कर फरार हो गए। लिंक रोड पुलिस सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान कर रही है।

अधिवक्ता डॉ. सौरभ कपूर ने बताया कि ग्रैंड विटारा गाड़ी को उन्होंने कुछ महीनों पहले खरीदा था। सोमवार को वह गाड़ी से सुप्रीम कोर्ट वकालत करने गए थे। वहां से लौटकर गाड़ी घर के बाहर खड़ी की थी। उनके पड़ोसी अर्पण जैन ने भी होंडा अमेज गाड़ी घर की पार्किंग में खड़ी की थी। रात करीब दो बजकर 55 मिनट पर सफेद रंग की गाड़ी में चोर घर के बाहर आकर रुके। उसमें से एक चोर नीचे उतरा और गाड़ी में जैक लगाकर उसे ऊपर उठा दिया। फिर दूसरे चोर की मदद से चारों पहिये चोरी कर लिए। यहां घटना करके चोर ने पड़ोसी अर्पण जैन की गाड़ी से पहिये चोरी कर फरार हो गए।

कौशांबी और लिंक रोड थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रहीं घटनाएं:

कौशांबी और लिंक रोड थाना क्षेत्र में गाड़ियों के पहिये चोरी करने वाले गिरोह ने पुलिस को खुली चुनौती दी हुई है लेकिन पुलिस गश्त करने के नाम पर महज खानापूर्ति में लगी है। 29 जनवरी को चोरों ने वैशाली सेक्टर-3 में जगपाल सिंह भाटी और सेक्टर-4 में सचिन यादव की नई गाड़ियों के पहिये चोरी की घटना को अंजाम दिया। 10 जनवरी को इंदिरापुरम की शिप्रा रिवेरा सोसायटी में चार्टर्ड अकाउंटेंट आनंद कुमार दुबे और पड़ोसी सक्षम कौशिक की दो गाड़ियों के चोरों ने पहिये चोरी कर लिए थे। बावजूद इतनी घटनाओं के पुलिस मामलों की खानापूर्ति करने में लगी है। एसीपी पूनम मिश्रा का कहना है कि चोरों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज चेक कर रहे हैं। गिरोह के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

जन्मदिन पार्टी से लौट रहे युवक की हादसे में मौत, फैक्टरी में काम करके घर खर्च चलाता था कपिल

गाजियाबाद। कपिल के चाचा मनोज कुमार ने बताया कि कुछ समय पहले कपिल के पिता की मौत हो गई थी। उसके बाद से कपिल ही एक फैक्टरी में नौकरी करके घर खर्च चला रहा था। कपिल के तीन छोटे भाई हैं। सहयोग के लिए उसके भाई भी उसके साथ ही काम करते थे। कपिल के मौत के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मेरठ से गाजियाबाद के भट्टा नंबर पांच के पास अपने चचेरे भाई के जन्मदिन में आए कपिल (25) पुत्र बाबू की मौत हो गई जबकि उसका साथी अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। कपिल मेरठ के परतापुर काजमाबाद गुन के रहने वाले थे। हादसा जन्मदिन के कार्यक्रम से लौटते समय मधुबन बापूधाम क्षेत्र में हम-तुम चौराहे के पास मेरठ रोड पर हुआ। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। मामले में कपिल के चाचा मनोज कुमार ने मधुबन बापूधाम थाने में केस दर्ज कराया है। मनोज कुमार का कहना है कि उनका भतीजा कपिल अपने दोस्त अभिषेक के साथ 31 जनवरी को अपने चचेरे भाई की जन्मदिन पार्टी में आया था। वहां से रात को लौटते समय उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान कपिल की मौत हो गई। अभिषेक का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना उन्हें पुलिस से मिली। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की पहचान कर ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

फैक्टरी में काम करके घर खर्च चलाता था कपिल

कपिल के चाचा मनोज कुमार ने बताया कि कुछ समय पहले कपिल के पिता की मौत हो गई थी। उसके बाद से कपिल ही एक फैक्टरी में नौकरी करके घर खर्च चला रहा था। कपिल के तीन छोटे भाई हैं। सहयोग के लिए उसके भाई भी उसके साथ ही काम करते थे। कपिल के मौत के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

ब्रीफ न्यूज

नोएडा पुलिस ने नष्ट की साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा की 60 हजार लीटर शराब, कई साल में कई गई थी जब्त

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा (उत्तर प्रदेश) में पुलिस द्वारा सीज की 60 हजार लीटर जहरीली शराब नष्ट कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद शराब खत्म कर दी गई जो पिछले कई सालों में पकड़ी गई थी। दिल्ली से सटे नोएडा (उत्तर प्रदेश) में पुलिस द्वारा सीज की 60 हजार लीटर जहरीली शराब नष्ट कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद शराब खत्म कर दी गई, जो पिछले कई सालों में पकड़ी गई थी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि साल 2015 से 2022 तक पुलिस ने 500 पेटी में शराब जब्त की। उन्होंने बताया कि शनिवार को अवैध शराब को नष्ट कर दिया गया।

अवैध शराब ने थानों में जगह का कर लिया था कब्जा

द्विवेदी ने कहा कि सेक्टर-39 और सेक्टर-20 पुलिस स्टेशनों द्वारा जब्त की गई लगभग 60,000 लीटर शराब को उचित प्रक्रियाओं के बाद नष्ट कर दिया गया है। यह शराब इन पुलिस स्टेशनों में भंडारण स्थान पर कब्जा कर रही थी। इस शराब की कीमत 3.80 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इसी तरह 19 वाहनों की नीलामी की गई है, जिन्हें इन मामलों में सेक्टर 20 थाना पुलिस ने इंपाउंड किया था। इनमें पांच चार पहिया और 14 दोपहिया वाहन शामिल हैं। द्विवेदी ने कहा कि इन वाहनों की नीलामी से बरामद राशि को राज्य के खजाने में जमा किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आगरा से नोएडा आ रही कार नीचे गिरी, छह घायल

टूंडला के रहने वाले गोपाल आगरा के प्रवीण कुमार शर्मा विमल कुमार मौहर सिंह संतोष व नोएडा के रहने वाले विकास आगरा से ईको कार द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे रास्ते नोएडा आ रहे थे। उसी दौरान दयानतपुर गांव के समीप टायर फटने से गाडी अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी। आगरा से नोएडा आ रही एक ईको कार शुक्रवार शाम को अनियंत्रित होकर यमुना एक्सप्रेसवे पर गांव दयानतपुर के समीप रैलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

नोएडा में 400 वाहनों की हाइड्रोलिक पार्किंग तैयार, जाम से मिलेगी राहत

एनटीवी

यूपी के नोएडा में प्रदेश की पहली हाइड्रोलिक पार्किंग बन कर तैयार हो गई है जिसमें एक पैनल पर दो वाहन खड़े किए जा सकते हैं। सेक्टर 15 के पास मौजूद इस पार्किंग की क्षमता करीब 400 वाहनों की होगी।

नोएडा। शहर में यातायात जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है कि सड़क पर वाहनों की पार्किंग को रोका जाए। यदि सरफेस के रूप में सड़क पर वाहन को पार्किंग कराए जाने की मजबूरी हो तो उसे व्यवस्थित ढंग से कराया जाए। इसी बीच नोएडा प्राधिकरण को पहली हाइड्रोलिक पार्किंग भी मिल गई है। इसे लीज डीड शर्त के तहत एक निजी कंपनी ने तैयार किया है। इसमें 400 वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था होगी।

आगरा और बरेली में भी शुरू होगीं हाइड्रोलिक पार्किंग

प्रदेश की यह पहली हाइड्रोलिक पार्किंग है, जिसे जल्द ही प्राधिकरण को हैंड ओवर किया जाएगा। वैसे प्रदेश के बरेली में 30 वाहनों की हाइड्रोलिक पार्किंग को मंजूरी वर्ष 2020 में मिली थी। जबकि आगरा में वर्टीकल हाइड्रोलिक वाहन पार्किंग तैयार करने का फैसला वर्ष 2021 में लिया गया। लेकिन अभी ये शुरू नहीं हो पाई हैं।

नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल एक वरिष्ठ प्रबंधक डोरी लाल वर्मा ने बताया कि यह पार्किंग सेक्टर-एक गोलचक्कर के पास ही बनी है। इसको व्यावसायिक भूखंड में तैयार किया गया है। यह भूखंड नोएडा प्राधिकरण की ओर से सेवन आर होटल्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था।

प्रदेश की पहली हाइड्रोलिक पार्किंग

लीज डीड शर्त के मुताबिक इसे तैयार किया गया है और इसका प्रयोग नोएडा प्राधिकरण करेगा। यह शहर ही नहीं, बल्कि यह प्रदेश की पहली हाइड्रोलिक पार्किंग है, जिसमें एक पैनल पर दो वाहन खड़े किए जा सकते हैं। एक वाहन को हाइड्रोलिक के जरिये ऊपर कर दिया जाता है, दूसरी कार उसके नीचे खड़ी हो सकती है। इस तरह से कम स्पेस में 400 वाहनों की पार्किंग को बनाया गया है। पार्किंग हैंड ओवर लेने के लिए कंपनी की ओर से लिखित पत्र जारी किया गया है। हैंड ओवर लेने से पहले हाल ही में इसका निरीक्षण उप महाप्रबंधक (सिविल) श्रीपाल भाटी ने किया।

नोएडा के सबसे बिजी मार्ग पर स्थित है पार्किंग

हाइड्रोलिक प्लेटफार्म में कुछ कमियां थीं, उनको दूर करने के लिए कहा गया। जिस स्थान पर यह पार्किंग है, वह नोएडा का सबसे व्यस्ततम मार्ग है। यहां पर सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन भी है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) इस पार्किंग को ले सकती है।

जाम से मिलेगी राहत

पार्किंग बनने से सेक्टर-15 नयाबांस, सेक्टर-एक गोलचक्कर समेत आसपास के स्थानों पर जाम की समस्या कुछ हद तक दूर होगी। क्योंकि ये सड़क नोएडा को दिल्ली से जोड़ती है। इस जगह पर मेट्रो स्टेशन के नीचे ही पार्किंग होती है। ऐसे में सर्विस लेन पर जाम लगा रहता है। नई पार्किंग आने के बाद सर्विस लेन फ्री हो जाएगी और लोगों को जाम से राहत मिलेगी।

करीब चार वर्ष से चल रहा था काम

करीब तीन-चार साल से हाइड्रोलिक पार्किंग बनाने का काम चल रहा था। अब हाइड्रोलिक वाहन पार्किंग बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। इस बहुमंजिला वाहन पार्किंग का जिम्मा वर्क सर्किल संभालेगा। हालांकि नोएडा ट्रैफिक सेल भी इसे लेने के प्रयास में है।

शहर में संचालित भूमिगत वाहन पार्किंगपार्किंग और उसकी क्षमता

सेक्टर-5 318
सेक्टर-1 534
सेक्टर-3 565

शहर में संचालित बहुमंजिला वाहन पार्किंग और पार्किंग की क्षमता

सेक्टर-16 ए 1400
सेक्टर-38ए 7000
सेक्टर-18 2500
सेक्टर-15 400

पहले खंड पर अगले माह दौड़ेगी रैपिड रेल, दुहाई डिपो आई पांचवीं रेल

एनटीवी

गाजियाबाद। साहिबाबाद से दुहाई 17 किमी लंबे प्राथमिकता खंड पर हाईस्पीड टेस्टिंग ट्रायल के बीच पांचवीं छह कोच की रैपिड रेल दुहाई डिपो पहुंच गई है। गुजरात के सांवली स्थित एल्सटॉम प्लांट से पांचवीं रेल सड़क मार्ग से दुहाई डिपो पहुंची है। पहले खंड पर मार्च 2023 में रैपिड रेल का संचालन प्रस्तावित है। ऐसे में पांचवी रेल को पटरियों पर उतारकर जोड़ने का काम शुरू हो गया है। सभी छह कोच को इस हफ्ते आपस में जोड़ने के बाद उसे टेस्टिंग ट्रायल में शामिल कर लिया जाएगा। पहले खंड में कुल 13 ट्रेनों का संचालन होना है, ऐसे में संचालन शुरू होने से पहले आठ और रेल दुहाई डिपो पहुंचेंगी।

न्यूज ब्रीफ

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सिंतबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को रोकना पड़ता है, तब मोटर उसे जगह पर रोककर रखेगी। यानी राइडर को स्पीड देने या उसे मेंटेन करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें क्रूज कंट्रोल मिलेगा, इससे स्कूटर को एक ही स्पीड में चला पाएंगे। इसके फ्रंट और रियर दोनों में डिस्क ब्रेक मिलेंगे। फ्रंट में मोनोशॉकर्स मिलेंगे।

7-इंच का डिस्प्ले मिलेगाः ओला ने इस स्कूटर में 7-इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया है, जो मूव ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आता है। डिस्प्ले काफी शार्प और ब्राइट है। ये वाटर और डस्टप्रूफ है। इसमें ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 3GB रैम के साथ चिपसेट दिया है। ये 4G, वाईफाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है।

स्कूटर के साथ कोई चाबी नहीं मिलेगीः स्कूटर के साथ कंपनी चाबी नहीं दे रही है। आप इसे स्मार्टफोन ऐप और स्क्रीन की मदद से लॉक-अनलॉक कर पाएंगे। इसमें सेंसर दिए हैं, जिससे आप जैसे ही स्कूटर के पास आएंगे स्कूटर नाम के साथ हाय करेगा और दूर जाने पर नाम के साथ बाय करेगा।

स्कूटर का स्पीडोमीटर बदल पाएंगेः इसके डिस्प्ले में जो स्पीडोमीटर मिलेगा, उसमें कई तरह के फेस मिलेंगे। जैसे आप डिजिटल मीटर, पुराने गाड़ी जैसा मीटर या दूसरा फॉर्मेट चुन पाएंगे। खास बात है कि आप जैसा मीटर सिलेक्ट करेंगे स्कूटर से उसी तरह का साउंड आएगा।

चाहते हैं फैमिली के लिए सुरक्षित गाड़ी, होंडा के इस कार पर कर सकते भरोसा, सेफ्टी टेस्ट में मिले 5-स्टार

नई दिल्ली। सुरक्षित कारों की लिस्ट में होंडा की SUV भी शामिल हो गई है। हाल में होंडा WR-V SUV का ASEAN NCAP द्वारा क्रैश टेस्ट किया गया है, जिसमें एसयूवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार रेटिंग हासिल किए हैं। टेस्टिंग में शामिल मॉडल Honda Sensing ADAS तकनीक के साथ RS ट्रिम था।

Honda WR-V SUV की रेटिंग

एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में Honda WR-V SUV को कुल मिलाकर 27.41 अंक दिए गए हैं। चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में होंडा डब्ल्यूआर-वी एसयूवी ने डायनैमिक टेस्ट में 24 प्वाइंट, व्हीकल बेस्ड टेस्ट में 8 प्वाइंट, चाइल्ड सीट इंस्टालेशन में 10.06 प्वाइंट और चाइल्ड डिटेक्शन में 0.73 प्वाइंट हासिल किए, जिससे कुल 42.79 प्वाइंट हो गए।

Honda WR-V SUV का इंजन

भारत में बेची जाने वाली होंडा WR-V SUV में इसके सिटी मॉडल की तरह ही 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो सीवीटी गियरबॉक्स के साथ 121bhp की पावर और 145Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

फीचर्स की लंबी लिस्ट

Honda WR-V SUV केफीचर्स लिस्ट में 16-इंच अलॉय व्हील्स, ऑल -ब्लैक थीम वाला केबिन और डुअल-टोन पेंट स्कीम देखने को मिलता है। इसके अलावा, गुलर रैप अराउंड हेडलैम्प्स, बंपर के साथ एलईडी टेल-लैंप जैसे फीचर्स भी है। सेफ्टी फीचर्स के लिए इसमें छह एयरबैग, लेन कीपिंग असिस्ट, लेन डिपार्चर वार्निंग, ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग और अडैप्टिव क्रूज़ कंट्रोल समेत कई फीचर्स दिए गए है।

नई SUV के लिए हो रही तैयारी

जानकारी के लिए बता दें कि इन दिनों होंडा अपनी एक नई एसयूवी पर काम कर रही है, जिसका टीजर भी जारी कर दिया गया है। अपकमिंग नई एसयूवी अमेज के प्लेटफॉर्म पर बनाई जा रही है और इसमें एक पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन विकल्प दिया जा सकता है। लॉन्च होने के बाद Hyundai Creta, Kia Seltos, Maruti Grand Vitara, Toyota Hyryder, VW Taigun, Skoda Kushaq और MG Astor जैसी कारों से टक्कर देगी।

डेली के काम झटपट निपटाने हीरो ने लॉन्च की 2 नई इलेक्ट्रिक साइकिल

नई दिल्ली. भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक साइकिल सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी हीरो लेक्ट्रो (Hero Lectro) ने दो नई ई-साइकिल लॉन्च की हैं। इन साइकिल के नॉडल H3 और H5 हैं। दोनों ई-साइकिल GEMTEC पावर्ड हैं। H3 की कीमत 27,499 और H5 की कीमत 28,499 रुपए है। H3 को दो कलर ऑप्शन ब्लिसफुल ब्लैक-ग्रीन और ब्लेजिंग ब्लैक-रेड में खरीद पाएंगे। वहीं, H5 को ग्रूवी ग्रीन और ग्लोरियस ग्रे कलर में खरीद सकते हैं। दोनों साइकिल की सिंगल चार्ज पर रेंज 30km तक है। हीरो लेक्ट्रो की इन न्यू इलेक्ट्रिक साइकिलों को मजबूती देने के साथ हल्का रखने के लिए GEMTEC मैटिरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक नई राइड ज्योमेट्री और स्मार्ट फिट एर्गोनॉमिक्स मिलता है, जिसे हीरो साइकिल्स के R&D सेंटर में डिजाइन और डेवलप किया गया है। इन GEMTEC ई-साइकिलों को कंपनी की D2C वेबसाइट के साथ-साथ हीरो लेक्ट्रो के 600 से ज्यादा डीलरों के नेटवर्क, ई-कॉमर्स चैनलों से खरीद सकते हैं।

360 डिग्री कैमरा, एडजेस्टेबल सीट, 120km की रेंज; दमदार इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ LML की वापसी

नई दिल्ली. 90 के दशक की पॉपुलर कंपनी LML भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी को तैयार है। कंपनी ने बीते दिनों अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार की बुकिंग को भी ओपन कर दिया है। वो बाजार में अपनी तीन प्रोडक्ट उतारेगी। आप स्टार ई-स्कूटर को कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर बुक कर सकते हैं। LML के मुताबिक, स्टार में एडजस्टेबल सिटिंग, एक इंटरैक्टिव स्क्रीन, एक फोटोसेंसेटिव हेडलैंप मिलेगा। साथ ही, इसमें 360 डिग्री कैमरा, हैप्टिक फीडबैक और LED लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। 90 के दशक में LML का वेस्पा स्कूटर काफी पॉपुलर रहा है। हालांकि, समय के साथ देश के अंदर LML की गाड़ियों की पॉपुलैरिटी कम हो गई थी। भारतीय बाजार में LML स्टार का मुकाबला टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक, एथर, ओला इलेक्ट्रिक, ओकिनावा, प्योर ईवी, हीरो इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों के कई मॉडल से हो सकता है।

ज्यादा रेंज, स्पीड और टेक्नोलॉजी से लैस

कंपनी अपने इस पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार की बुकिंग बिना किसी टोकन अमाउंट के साथ कर रही है। यानी आप बिन पैसे दिए इसकी प्री-बुकिंग कर सकते हैं। LML के MD और CEO डॉ. योगेश भाटिया ने कहा, रहमें यह घोषणा करते हुए

खुशी हो रही है कि हमारे प्रमुख प्रोडक्ट LML स्टार के लिए बुकिंग शुरू हो गई है। हमें यकीन है कि LML स्टार हमारे ग्राहकों के इलेक्ट्रिक व्हीकल के प्रति पहले से बढ़ रहे स्नेह और अपेक्षाओं को सही ठहराएगा। हमारे प्रोडक्ट ज्यादा रेंज, अच्छी स्पीड और एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस हैं।

LML स्टार ई-स्कूटर के फीचर्स

कंपनी के मुताबिक, स्टार इलेक्ट्रिक स्कूटर बेहतर राइडिंग एक्सपीरियंस देगा। इसमें एडजेस्टेबल सीटिंग, एक इंटरैक्टिव स्क्रीन, एक फोटोसेंसेटिव हेडलैंप मिलेगी। इसमें 360 डिग्री कैमरा, हैप्टिक फीडबैक और LED लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। स्कूटर बेहद मजबूत डिजाइन के साथ आएगा। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के फ्रंट में ब्लैक कलर का एप्रिन दिया गया है। स्कूटर में एक 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी दिख रहा है। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन, सहित कई दूसरे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल की टेक्नोलॉजी और डिजाइन को डेवलप करने के लिए LML इलेक्ट्रिक ने जर्मन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी ईरॉकिट (eROCKIT) के साथ हाथ मिलाया है।

सिंगल चार्ज पर 120Km होगी रेंज

खबर है कि LML इलेक्ट्रिक हाइपरबाइक लॉन्च करेगी जो पैडल-असिस्ट टेक्नोलॉजी से लैस होगी। इस मोटरसाइकिल के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। माना जा रहा है हि जर्मन प्रोडक्ट बेस्ड यह इलेक्ट्रिक बाइक फुल चार्ज पर 120Km की रेंज देगी। इसकी इलेक्ट्रिक मोटर 20 बीएचपी की पावर जनरेट करेगी। इस हाइपरबाइक की टॉप स्पीड 90 किमी/घंटा हो सकती है। यह सभी मौसमों में सेफ्टी के साथ IP67-रेटेड बैटरी, कंट्रोल के लिए हैप्टिक फीडबैक और उन लोगों के लिए एक इन-बिल्ट GPS के साथ आता है जो अक्सर लंबी राइड करते हैं। इस इलेक्ट्रिक हाइपरबाइक की डिलीवरी जनवरी 2023 में शुरू होगी। इसके बाद कंपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी और इसकी डिलीवरी अगस्त 2023 से शुरू होगी।

हाइपरबाइक क्या है?

ईरॉकिट (eROCKIT) एक पैडल-पावर्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है, जिसे हाइपरबाइक भी कहा जाता है। ये आसानी से पैडलिंग के साथ चलती है। इसकी टॉप स्पीड 90 किमी/घंटा से ज्यादा है, जो एडवांस बैटरी और इलेक्ट्रिक डायरेक्ट ड्राइव

सिर्फ ड्राइवर को सुरक्षित नहीं रखता कार का Seat Belt, जानें और क्या हैं इसके फायदे

नई दिल्ली। कार को चलाते समय सीट बेल्ट पहना अनिर्वाय होता है। अगर आप इसे नहीं पहनेंगे तो आपको कई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। क्या आप भी सीट बेल्ट को एक सेफ्टी डिवाइस समझकर लगाते हैं अगर ह तो ये खबर आपके काम की है। आज हम आपको सीट बेल्ट लगाने के अहम महत्व बताएं जिसे पढ़कर आप असल में सीट बेल्ट के महत्व को समझ सकते हैं।

सीरियस इंजरी की संभावना कम होती है

कार चलाते वक्त अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाई तो एक्सीडेंट के समय ड्राइवर स्टीयरिंग व्हील से टकराएगा। जिसके कारण उसे गंभीर चोट भी लग सकती है। अगर ड्राइवर सीट बेल्ट लगाकर रखेंगा तो इससे वो ऐसी स्थिति में सीट पर मौजूद रहेगा। इतना ही नहीं, सीट बेल्ट लगाकर चलने से ड्राइवर को सिर, चेहरे और गर्दन पर होने वाली इंजरी की संभावना भी कम होती है।

जुर्माने से बचें

अगर आपने सीट बेल्ट नहीं लगाया है तो आपका चालान भी कट सकता है। सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स के मुताबिक, ड्राइवर के साथ-साथ पिछली सीट पर बैठे यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य हो गया है।

इंश्योरेंस क्लेम में हो सकती है दिक्कत

कई बार ऐसा देखा गया है कि कंपनियों ने इंश्योरेंस क्लेम देने से सिर्फ इसलिए मना कर दिया क्योंकि एक्सीडेंट के समय ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी। क्योंकि बीमा पॉलिसियों में एक सेक्शन होता है जिसमें लिखा होता है कि ड्राइवर बिना सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चलाता है और उस दौरान उसका एक्सीडेंट हो जाता है तो बीमा कंपनी उस दौरान ड्राइवर को लगी चोट या वाहन को क्षति के लिए किसी भी नुकसान की भरपाई नहीं करेगी।

ईवी और ईंधन से चलने वाली गाड़ियों में कौन बेहतर? यहां दूर होगा आपका कन्फ्यूजन

अगर आप अपने लिए नए साल पर एक कार खरीदने की सोच रहे हैं पर ईवी और पेट्रोल कार लेने में कंफ्यूज हैं तो आज आप इन सवालों का जवाब हम लेकर आए हैं। चलिए समझते हैं इन आसान प्वाइंट्स में।

नई दिल्ली। इस समय ईवी को लेकर बहुत सारे लोगों के मन में कन्फ्यूजन है। नई गाड़ी खरीदने से पहले लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ईवी खरीदें या फिर ईंधन से चलने वाली कारें। इसलिए, इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इन दोनों ऑप्शन के खासियतों के बारे में, ताकि आपको अपनी ड्रीम कार खरीदने में आसानी हो और फायदा भी।

इलेक्ट्रिक कार

भारतीय बाजार में इस समय ईवी का चलन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। इसके लिए सरकार भी काफी तेजी से काम कर रही है और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी कर रही है।लेकिन इस समय मार्केट में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत काफी अधिक है जिसे मीडिल क्लास के लोग खरीदने में सोचते हैं। हालाकिं भारतीय बाजार में मौजूद कई बड़ी कंपनियां इस पर काम कर रही है ताकि हर कोई ईवी को खरीद सके और कई कंपनियों ने लोगों के बजट के हिसाब से भी कार निकाली है।

पेट्रोल - डीजल

लेकिन आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों का दबदबा बरकरार है। लोग इलेक्ट्रिक कारों को चार्जिंग के कारण भी नहीं खरीदते हैं क्योंकि चार्जिंग एक सबसे बड़ी समस्या है। ईवी को भविष्य माना जाता है, इसके लिए सरकार भी कई जगहों नए -नए चार्जिंग स्टेशनों को लगाने का काम भी कर रही है। इस साल हमने भारतीय बाजार में कई बड़ी इलेक्ट्रिक कारों की लॉन्चिंग देखी । जिसमें कई बड़ी कंपनियां शामिल है।

भारत में आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों को ईवी से अधिक पसंद किया जाता है। भले ही इसकी कीमत बढ़ रही है लेकिन फिर भी लोगों में इसका क्रेज बरकरार है। आम धारणा है कि अगर सस्ती कार, कम मेंटेनेंस और कम रनिंग है तो पेट्रोल कार बेस्ट ऑप्शन होती है।

संपादक की कलम से

'विकसित भारत' कितनी दूर?

प्रधानमंत्री मोदी ने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया था। वह अभी अधूरा है। फिर 2022 में 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, लालकिले की प्राचीर से, 2047 में 'विकसित भारत' के संकल्प की घोषणा की थी। यानी लक्ष्य आज से करीब 25 साल बाद का है। तब तक जवाबदेही किसकी होगी? उस दौर में क्या राजनीतिक समीकरण होंगे? कौन देश का प्रधानमंत्री होगा? क्या तब की सत्ता आज के संकल्पों को स्वीकार करेगी? संभव है कि भारत को आज़ादी के 100 साल बाद ही 'विकसित' न होना पड़े और यह लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया जाए! लेकिन तब भी प्रधानमंत्री मोदी नहीं होंगे और पीढ़ी अलग तेवर, अलग सोच की हो सकती है! ये संभावनाएं ही नहीं हैं, बल्कि हकीकत के बेहद करीब हैं। फिलहाल आकलन किए जा रहे हैं कि 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो सकता है और 2031-32 तक हमारी अर्थव्यवस्था 7.5 ट्रिलियन डॉलर की हो सकती है। जापान भारत के पीछे होगा और हम जर्मनी को भी पार कर लेंगे। इस तरह भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है! ये तमाम भविष्य की संभावनाएं हैं। फिलहाल बजट के मुताबिक, भारत का जीडीपी 286 लाख करोड़ रुपए का है। हम लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। 2023-24 का प्रस्तावित बजट 45.03 लाख करोड़ रुपए का है। विभिन्न करों, उपकरों, अधिभारों, उत्पाद शुल्क आदि से हमारी कुल आय 27.2 लाख करोड़ रुपए की है। साफ है कि आने वाले वित्त वर्ष में हम 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा झेलेंगे। यानी भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल घाटे की है। भारत पर करीब 152 लाख करोड़ रुपए का कजर्. भी है। जीडीपी का करीब 20 फीसदी हर साल ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ता है। ऐसे कजर्.सभी देश लेते हैं, क्योंकि देश की परियोजनाओं और सामाजिक कल्याण पर अतिरिक्त खर्च किए जाते हैं। ऐसे कजर्.का बजट में प्रावधान भी रखा जाता है, लिहाजा इसे 'रेवडियों' पर खर्च करार नहीं दिया जा सकता। बजट में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.97 लाख रुपए का दावा किया गया है, लेकिन 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना है, तो यह आय औसतन 4.45 लाख रुपए होनी चाहिए। बजट में इसका कहीं भी उल्लेख नहीं है कि ऐसा कैसे होगा? 'विकसित भारत' में पेट्रोल, डीजल और कोयला आदि का इस्तेमाल 'ज़ीरो' करने की योजना भी होगी। यह कैसे संभव है, क्योंकि भारत में कोयला खदानों का अपना वैश्विक महत्त्व है। भारत दूसरे या तीसरे स्थान का कोयला उत्पादक देश है। भारत में पेट्रोलियम संसाधनों के 'स्वदेशीकरण' पर भी व्यापक काम जारी है। बेशक बजट में हरित ऊर्जा, हरित विकास, हरित पर्यावरण, हरित हाईड्रोजन आदि के उल्लेख हैं। पर्यावरण को लेकर भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं भी हैं, लेकिन 'शून्य कार्बन उत्सर्जन' का लक्ष्य 2070 तय किया गया है। तो 2047 में वैकल्पिक ऊर्जा की स्थिति क्या होगी? वैसे मोदी सरकार के दावे हैं कि देश में औसतन हर माह एक मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है। विकास के कई और दावे भी हैं। बहरहाल 'विकसित भारत' अभी बहुत दूर है। बजट में कुछ चिराग जलते हुए दिखे हैं, जो नाकाफी हैं।

कश्मीरी देसी मुसलमानों की घेराबंदी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पहले चरण को सफलतापूर्वक निपटा लेने के बाद एटीएम ने देसी मुसलमान को नियंत्रित करने के लिए अपने ही मूल के विदेशी आतंकियों की सहायता ली, लेकिन दूसरे चरण में बहुत से देसी मुसलमानों को अपने साथ जोड़ लिया। जिन देसी मुसलमानों ने इसका विरोध किया, उनकी भी हत्या कर दी गई'

मतांतरित होने के बावजूद मतान्तरित कश्मीरी अपनी विरासत को नहीं भूल रहे थे। वे भी भीतरी मन से अपनी पुरखों की परम्पराओं और आस्थाओं को नहीं छोड़ रहे थे। भूलने की बात तो दूर, वे बहुत सीमा तक अभी भी उसी से जुड़े हुए थे। उनमें से कश्मीरियत नहीं जा रही थी। वे इधर उधर घूम फिर कर फिर अपने जड़ों के आसपास सिमट जाते थे। नए हालात के अनुसार उन्होंने नए प्रतीक गढ़ लिए थे। नई शब्दावली का सृजन किया था। त्रिक दर्शन की व्याख्या के लिए नए मुहावरों की तलाश कर ली थी। कश्मीरी व्यक्ति मुसलमान तो बन गया था लेकिन उसका मानस कश्मीरी ही रहा। वह रहस्यवादी चेतना को अभिव्यक्त करने के लिए नए संकेतों का प्रयोग करने लगा था। अरबी-मध्य एशियाई कबीलों ने उनको भौतिक रूप से तो पराजित कर दिया था, लेकिन वे उनके मन की थाह पाने में कामयाब नहीं हो रहे थे। दर्शन शास्त्र में कश्मीरी उन्हीं के प्रतीकों से उनको उत्तर दे रहे थे। वे अभी भी कश्यप को अपना पूर्वज मान रहे थे। कश्मीरी मूल्यों को वे त्याग नहीं रहे थे। यानी मानसिक रूप से वे अपने आपको एटीएम की संस्कृति और तथाकथित ज्ञान से बेहतर मान रहे थे।

वे शारदा पुत्र तो थे ही। ज्ञान की देवी शारदा का तो निवास स्थान ही कश्मीर को माना ही जाता था। वे सरस्वती यानी ज्ञान के उपासक थे। वे तर्क करते थे। प्रश्न पूछते थे। सैयदों के पास कश्मीरियों के इन प्रश्नों का कोई जवाब नहीं था। वे उस अरब भूमि से व मध्य एशिया से आए थे जहां प्रश्न पूछने की मनाही थी, आंखें बन्द करके केवल पीछे चलने का अधिकार था। कश्मीर में वे अपने इसी अधिकार की रक्षा शासक की तलवार से कर रहे थे। लेकिन कश्मीर, जिसके ज्ञान के पीछे मध्य एशिया चलता था, वे आंखें बन्द करके उन्हीं सैयदों व मध्य एशिया के तुर्कों के पीछे कैसे चल सकता था? उन्होंने ईश्वर का नाम अल्लाह को तो मान लिया था लेकिन वे शिव की उपासिका लल्ला को कैसे छोड़ सकते थे। कश्मीर की एक और परम्परा है। किसी भी गुणी और साधक का वे सम्मान करते हैं। वह साधु साधक या पीर किसी भी पूजा पद्धति को मानने वाला क्यों न हो। वे धरती को मां मानते हैं। मध्य एशिया या अरब से आए सैयदों से चाहे उनके लाख भेद रहे हों लेकिन जब ऐसे किसी साधक पीर की मृत्यु होती थी तो कश्मीर के लोग उसका सम्मान करते हुए और उसके प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए स्मारक बना देते थे।

वैसे भी कश्मीर में माना जाता है कि मरने के बाद आदमी के सारे सांसारिक मतभेद समाप्त हो जाते हैं। एटीएम इस प्रकार के स्मारकों को अपनी भाषा में दरगाह कहता है और वह दरगाह में जाना और वहां जाकर मृतक साधक की स्मृति में कश्मीरी मुसलमानों द्वारा सिजदा करने को इस्लाम की तौहीन मानता है। सैयदों को लगता था कश्मीर में कश्मीरी इस्लाम को समझने की बजाय उसका कश्मीरीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन सबसे हैरानी की बात यह थी कि इन दरगाहों एवं कब्रों पर भी संगठनात्मक रूप से कब्जा सैयदों का ही रहा। इन दरगाहों के पुजारी भी सैयद, मुफ्ती, मुल्ला और पीरजादेह ही थे। ऐसा कैसे सम्भव हुआ? इसे समझने के लिए कश्मीरी देसी मुसलमानों की ऋषि परम्परा को गहराई से समझना होगा। शुरुआती दौर में जब सूफी सैयदों ने स्थानीय शासकों के साथ मिल कर कश्मीर का इस्लामीकरण शुरू किया था तो कश्मीरियों ने उसका मुकाबला करने के लिए अपनी ऋषि परम्परा शुरू कर दी थी। शाहमीरी वंश के बुतशिकन के राज्यकाल तक सैयदों व कश्मीरियों में सांस्कृतिक वर्चस्व का संघर्ष भी तेज़ हो गया था। इसको ललेश्वेरी व नुन्द ऋषि के प्रकरण से अच्छी तरह समझा जा सकता है। जोनराज की राजतरंगिनी में इस बात का जिक्र है कि नुन्द ऋषि को सुल्तान अली शाह के राज्यकाल में बन्दी बनाया गया था। (2) लल्लेश्वरी (1320-1392) और नुन्द ऋषि (1377-1438) और इरान से आए बाप-बेटा सैयद अली हमदानी (1341-1385) व सैयद महमूद हमदानी (1372-1450) समकालीन थे। लल्लेश्वरी का अन्तकाल और बुतशिकन (1389.-1413) का राज्यकाल एक साथ शुरू होते हैं। नुन्द ऋषि का कार्यकाल बुतशिकन और बडशाह (1420-1470) दोनों के राज्यकाल के भीतर सिमटा हुआ है।

नुन्द ऋषि का नाम सहजानन्द भी था (3), लेकिन ललेश्वेरी का कार्यकाल शाहमीरी वंश के पहले छह शासकों के राज्यकाल तक फैला हुआ है। सैयद मोहम्मद हमदानी कश्मीर में 1393 में आए थे और बारह साल कश्मीर में रहे। कुछ लोग कहते हैं कि बाईस साल रहे। यदि बारह साल रहे तो उनके कश्मीर से जाने की तारीख़ 1405 है और यदि बाईस साल रहे तो जाने की तारीख़ 1415 है। ऋषि परम्परा की शुरुआत शिव की उपासिका लल्लेश्वरी (1320-1392) ने की थी। आज भी कश्मीर का देसी मुसलमान गाता है – ऊपर अल्लाह नीचे लल्ला (4), उस कालखंड में एटीएम के लिए ऋषि परम्परा से लोहा लेना लाभकारी नहीं था। मोहिबुल हसन ठीक कहते हैं कि ऋषि परम्परा कश्मीर में ज्यादा प्रभावी थी। लेकिन उसका चलते रहना ही कश्मीरियों के इस्लामीकरण में बाधक था। कुछ सैयदों ने ऋषियों की ही भाषा बोलनी शुरू कर दी और धीरे धीरे इस परम्परा के डेरों पर भी नियंत्रण कर लिया। उस परम्परा का नामकरण तो ऋषि ही रहने दिया, लेकिन यथार्थ में वे सैयदों के डेरे ही बन गए। इस प्रकार कश्मीर घाटी की तीनों संस्थाओं प्रथम मस्जिदों, द्वितीय दरगाहों और तीसरे ऋषि आश्रमों या डेरों पर एटीएम का ही कब्जा हो गया। दरगाहें और ऋषियों के डेरे बाद में एकरूप हो गए। इन तीनों संस्थाओं और उसके तन्त्र के नियंत्रण में से कश्मीरी मुसलमान और गुज्जर सिरे से ग़ायब थे। यह देसी मुस्लिम समाज पर दोहरा शिकंजा था। सैयद दोनों दिशाओं से कश्मीरी मुसलमान, गुज्जर और पहाड़ी राजपूत मुसलमानों को घेरे हुए थे।

वह मस्जिद में जाता है तब भी वहां सैयद ही बैठा है और वहां से भाग कर अपनी दरगाह में पहुंचता है, वहां भी कब्जा सैयद का ही है। इसलिए एटीएम ने योजना का दूसरा चरण शुरू किया। पहला चरण था, कश्मीरियत से इस्लामीकरण और दूसरा चरण था इस्लामीकरण से अरबीकरण। एटीएम इस कार्य को बहुत जल्दी करना चाहता था। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एटीएम ने कश्मीर में अलग अलग संगठन स्थापित किए। इनमें से चार का उल्लेख किया जा सकता है। इन चार संस्थाओं के समन्वित अध्ययन से कश्मीर घाटी में एटीएम की कार्यप्रणाली को बख़ूबी समझा जा सकता है। ये संस्थाएं हैं अंजुमन-ए-नुसरत-उल-इस्लाम, अंजुमन अहल-ए-हदीस/जमायत-ए-अहल-ए-हदीस, अंजुमन-ए-तबलीग-उल-इस्लाम और जमायत-ए- इस्लामी कश्मीर। देसी मुसलमान के मानस को बदलने व नियंत्रित करने का 1900 से शुरू हुआ यह अभियान शताब्दी के अंतिम दशकों में हिंसक हो गया। उस हिंसक आन्दोलन में शुरू में तो घाटी का कश्मीरी हिन्दू और सिख निशाने पर था। एटीएम को लगता था जब तक घाटी में कश्मीरी हिन्दू रहेगा तब तक देसी मुसलमान अपनी पुरानी जड़ों से टूट नहीं सकेगा। पहले चरण को सफलतापूर्वक निपटा लेने के बाद एटीएम ने देसी मुसलमान को नियंत्रित करने के लिए अपने ही मूल के विदेशी आतंकियों की सहायता ली, लेकिन दूसरे चरण में बहुत से देसी मुसलमानों को अपने साथ जोड़ लिया। जिन देसी मुसलमानों ने इसका विरोध किया, उनकी भी हत्या कर दी गई। इस पूरे घटनाक्रम को समझने बूझने के लिए उपरोक्त तंजीमों का अध्ययन जरूरी है। ध्यान रहे ये सभी तंजीमें सैयदों ने ही स्थापित की हैं।

इतिहास में आज

04 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1431 – फ्रांस में 'जोन ऑफ आर्क' के विरुद्ध मुक़दमे की शुरुआत हुई। 1718 – फ्रांस ने स्पेन के ख़िलाफ़ लड़ाई की घोषणा की। 1768 – फिलिप एस्टले ने पहले 'मॉर्डन सर्कस' का प्रदर्शन किया। 1792 – तुर्की और रूस ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 1816 – सर हम्फ्री डैवी ने खदानकर्मियों के लिए पहले 'डैवी लैम्प' का परीक्षण किया। 1914 – महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे। 1915 – महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद अब मुंबई पहुंचे। 1918 – भालू घाटी के युद्ध : रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच अंतिम युद्ध 'बैटल ऑफ बियर वैली' का आगाज़ हुआ। रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच अंतिम युद्ध (बैटल ऑफ़ बियर वैली) का आगाज। 1923 – जुआन डि ला सिएर्वा ने पहली 'ऑटोगायरो फ्लाइट' का निर्माण किया। 1941 – यूरोपीय देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में छह हजार यहूदियों की हत्या। 1970 – सिंगापुर में संविधान अपनाया गया। 1982 – पहला भारतीय वैज्ञानिक दल अंटार्कटिका पहुंचा। 1991 – अमेरिकी और इराकी प्रतिनिधियों की ओमान पर इराकी कब्जे के सम्बंध में जेनेवा शांति बैठक में मुलाकात। 2001 – बांग्लादेश में हिन्दुओं की सम्पत्ति लौटाने संबंधी विधेयक मंजूर। 2005 – अराफात को 'फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन' के शीर्ष पद से हटाने के लिए चुनाव। पी.एल.ओ. के अध्यक्ष महमूद अब्बास फ़िलिस्तीन के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी। 2007 – जापान में पहला राज्य मंत्रालय गठित हुआ। 2008 – हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री 'प्रेम कुमार धूमल' ने अपने मंत्रिमण्डल में नौ मंत्रियों को शामिल किया। श्रीलंका की सेना ने लिट्टे के इलाके पर कब्ज़ा किया। 2009 – लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए बेबी जान फाउंडेशन पुरस्कार के लिए चुना गया। 2010 – सीबीआई ने हरियाणा सरकार द्वारा रुचिका मामले में जांच किए जाने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। 2011 – ईरान एयर की फ्लाइट नं 277 दुर्घटनाग्रस्त, 77 लोगों की मौत। 2012 – लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरे वर्ष फीफा का बैलोन डी ओर (सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर) पुरस्कार जीता। 2020 – भारतीय रिज़र्व बैंक ने केवाईसी नियमों में संशोधन किया। संशोधन के बाद नया मानदंड वित्तीय संस्थानों को वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह कदम बैंकों और ऋण देने वाले संस्थानों को दूर बैठे हुए ग्राहकों की पहचान करने में मदद करेगा। सबसे पहले एचडीएफ़सी बैंक ने माईएप्स (myApps) एप्लिकेशन लॉन्च किया। इस ऐप का उद्देश्य भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है।

क्षेत्रीय दलों से कांग्रेस गठजोड़ आसान नहीं

पूर्व की कांग्रेस गठबंधन सरकार में क्षेत्रीय दलों ने मनमानी करके कांग्रेस की जमकर फजीहत कराई थी। टू जी स्पैक्ट्रम सहित दूसरे घोटालों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की काफी किरकिरी कराई। इनकी खींचतान और अराजकता का खामियाजा कांग्रेस आज तक भुगत रही है। भाजपा ने कांग्रेस शासन के दौरान हुए भ्रष्टाचार को अभी तक मुद्दा बनाए रखा है। भाजपा ने ऐसे ही अन्य मुद्दों पर कांग्रेस को घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। सत्ता में आने के बावजूद क्षेत्रीय दलों को मनमानी करने से रोकने की ताकत कांग्रेस में नहीं होगी'

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने खुद को प्रधानमंत्री की दावेदारी से अलग कर लिया। राहुल के लिए नीतिश ने कहा कि यदि राहुल का नाम प्रधानमंत्री के लिए आगे आता है तो उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। सवाल यह है कि नीतिश कुमार ने तो मान लिया पर क्या सारे विपक्षी दल राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाने पर सहमत हो सकते हैं। राहुल गांधी ने भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान परोक्ष तौर पर ऐसी ही मंशा जाहिर की थी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विपक्षी दलों से एकजुटता का आह्वान किया। इस आह्वान के पीछे राहुल गांधी की मंशा आगामी लोकसभा चुनाव में संयुक्त विपक्षी दल के प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी उम्मीदवारी पेश करना है। प्रधानमंत्री की दावेदारी के लिए राहुल गांधी ने स्पष्ट तौर पर बेशक कुछ नहीं कहा किन्तु उनके बयान से उनकी दबी हुई मंशा साफ जाहिर होती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जिसका देशव्यापी नेटवर्क है। समाजवादी पार्टी का नाम लेते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि क्या इस पार्टी की पॉलिसी केरल-कर्नाटक में लागू होती है। उन्होंने कहा कि केवल कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जिसकी राष्ट्रव्यापी नीतियां और नेटवर्क है। नीतिश कुमार ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से खुद को अलग कर लिया हो लेकिन दूसरे क्षेत्रीय दलों ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

क्षेत्रीय दलों के लिए राहुल की स्वीकार्यता आसान नहीं हैं। विपक्षी दलों का यह प्रयास यदि सफल हो भी जाता है, तब भी इसकी हालत भानुमति के कुनबे जैसी होगी। इन दलों के प्रमुखों का ख्वाब भी प्रधानमंत्री की दावेदारी का है। विपक्षी दलों की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। यही वजह है कि नीतिश के अलावा किसी भी क्षेत्रीय दल ने अभी तक राहुल गांधी के नाम को आगे नहीं बढ़ाया है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से क्षेत्रीय दलों ने दूरी बनाए रखी। हर दल के प्रमुख ने कोई न कोई बहाना बना कर राहुल और कांग्रेस को इस यात्रा का श्रेय देने से बचने का प्रयास किया। मुद्दा यह नहीं है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। सवाल यह है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कैसा प्रदर्शन कर पाती है। लोकसभा में मिलने वाली सीटों पर ही कांग्रेस की दावेदारी को दम मिलेगा। इसके लिए कांग्रेस को सिर्फ प्रतिद्वन्द्वी भारतीय जनता पार्टी से ही नहीं बल्कि विपक्षी दलों से भी जूझना होगा। कांग्रेस का सीटों के बंटवारे को लेकर गैरभाजपा दलों से गठबंधन आसान नहीं है। विपक्षी दलों में यदि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर कर आती है, तभी राहुल गांधी की पीएम बनने की दावेदारी में कुछ दम हो सकता है। इससे विपक्षी दलों पर राहुल गांधी की दावेदारी का दवाब बढ़ जाएगा। फिर भी क्षेत्रीय पार्टियां आसानी से राहुल की दावेदारी को पचा नहीं पाएंगी। राहुल गांधी की पीएम पद की दावेदारी से पहले कांग्रेस के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। इनसे पार पाना भी कांग्रेस के लिए लोहे के चने चबाने जैसा है।

सीपीएस के बढ़ते दायरे

सरकार की ताजपोशी में मौजूद खनक का एक इम्तिहान इस बार जरूर मुख्य संसदीय सचिवों की भूमिका के साथ जुड़ गया है। यह कांग्रेस से छह विधायकों के दायित्व को स्तरोन्नत करते हुए भी कानूनी वैधता के प्रश्न पर संयम बरत रहा है और इसीलिए बाकायदा नोटिफिकेशन से सरकार ने अपनी मर्यादा का उल्लेख किया है। यानी ये छह पद एक तरह से सरकार के सलाहकार बोर्ड की तरह हैं, जो कमोबेश इसी भूमिका में फर्ज निभाते और सरकारी फाइल को रक्षा कवच पहनाते हुए एक सेतु तैयार करेंगे। इस सेतु पर मंत्री और सचिवालय तथा मंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच सहमति का सार्थक पथ निर्मित करने का प्रयास हो रहा है। जाहिर तौर पर सचिवालय की कार्यक्षमता व दक्षता में सलाह की एक सक्रिय परत बैठाई जा रही है। मुख्य संसदीय सचिवों के पद पर स्पष्टता से मंथन करके ही इनके औचित्य का जायज पक्ष सामने आएगा, लेकिन यह जरूरी है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से संचालित सलाहकारों के जरिए विभागीय सोच में परिवर्तन लाया जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्य संसदीय सचिवों को आवंटित कार्य क्षेत्र का विवेचन होगा।

फिलहाल अर्की के विधायक संजय अवस्थी मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ पीडब्ल्यूडी व स्वास्थ्य मंत्रालयों के साथ तालमेल करेंगे, जबकि सीपीएस सुंदर ठाकुर वन, ऊर्जा व पर्यटन के दायित्व में मुख्यमंत्री के साथ संबद्ध हैं। इसी तरह निकट भविष्य में जब मुख्य संसदीय सचिव आशीष बुटेल, किशोरी लाल, मोहन लाल ब्राक्टा और राम कुमार के साथ विभागीय आवंटन सामने आएगा, तो स्थिति और स्पष्ट होगी। इसी के साथ एक तीसरी परत भी सामने आएगी, जब विभागीय निर्णयों के साथ संबंधित बोर्ड, निगम व फेडरेशन के प्रभारी अपना काम शुरू करेंगे। कहना न होगा कि सरकार के भीतर कार्यों के बंटवारे में दायरे और दृष्टि को और स्पष्ट करने की जरूरत को पूरा किया जा रहा है। देखना यह होगा कि विधायक बतौर मुख्य संसदीय सचिव पूरे प्रदेश की छवि में खुद को कैसे निरूपित करते हैं। मुख्यमंत्री ने मुख्य संसदीय सचिवों के जरिए हिमाचली विकास का समन्वित स्वरूप देखना शुरू किया है और इस तरह मंत्री की फाइल पर पूरे हिमाचल के नजरिए का रेखांकन हो सकता है। बेशक पहली बार सीपीएस को सजावटी भूमिका से आगे बढ़ाकर शासकीय पद्धति की अहम कड़ी बनाया जा रहा है और यह अपनी तरह का अनूठा प्रयोग होगा, जो मुख्यमंत्री की कमान को सशक्त करेगा। ऐसे में कल जब बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सामने आएंगे, तो सरकार की अगली पेशकश में ऐसा ही कुछ प्रभावशाली तालमेल वांछित है। कहना न होगा कि सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी सरकार की कसौटियां तय करते हुए प्रशासनिक और शासकीय ढांचे में कसाव लाने की तरफ इशारा कर रहे हैं। भविष्य में सीपीएस के पास सरकारी प्राथमिकताओं की फाइल अगर मंत्रियों से पहले जाएगी, तो इसके मायने या तो पारदर्शी हो जाएंगे या मुख्यमंत्री कार्यालय के बिना सरकार का कोई पात्र, कोई भी पत्ता नहीं हिला पाएगा। जाहिर है इससे छह मुख्य संसदीय सचिवों का रुतबा, उनके अनुभव को पारंगत करेगा तथा आने वाले समय में सरकार की भूमिका में उनके लिए एक सीढ़ी जैसा आरोहण तय है। ये तमाम सीपीएस कमोबेश युवा हैं और इस तरह सरकार की रोशनी में मुख्यमंत्री युवा ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग करने की स्थिति में रहेंगे। यहां मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ जुड़े सीपीएस संजय अवस्थी की पहचान में संदेश अगर स्पष्ट है, तो आने वाले समय में किसी भी विभाग की प्रगति को समझने के साथ-साथ संबंधित सीपीएस का महत्त्व भी अलंकृत होगा।

यह वक्त की जरूरत के साथ-साथ राजनीतिक आवश्यकता भी रही है कि हर विभाग की दृष्टि में प्रदेश का समग्र विकास हो, लेकिन अब तक मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र ही इनके रुतबे में लाभान्वित होते रहे हैं। इसलिए क्षेत्रीय आधार पर मंत्री बनाने की ख्वाहिश के साथ सत्ता लाभ के स्वर ऊंचे होते रहे हैं। सीपीएस संजय अवस्थी ने पदभार संभालने के बाद शिमला से कार्यालयों के दबाव घटाने संबंधी बयान देकर एक दृष्टिकोण रखा है। इसे अगर सरकार के फलक पर समझा जाए, तो इससे पहले भी यही प्रयोग वीरभद्र सिंह के दौर में शुरू हुआ था और जिसके बदौलत कई महत्त्वपूर्ण कार्यालय जिला मुख्यालयों में स्थानांतरित किए गए थे। राजधानी शिमला का विकास एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रिजन के तहत होना चाहिए ताकि बीस से तीस किलोमीटर के दायरे तक भविष्य को संबोधित करते हुए रोडमैप तैयार किया जा सके। इसी तरह हर सीपीएस की भूमिका में उभरते लक्ष्य अगर प्रदेश की समग्रता में अपना योगदान करेंगे, तो परिवर्तन आएगा जरूर।

शिक्षा-खेल विभाग में समन्वय स्थापित हो

भूपिंदर सिंह

आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं को करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है'

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में कदम-कदम पर विद्यालय खुलने तथा विद्यालय से घर तक आना-जाना जब अब वाहन से हो रहा है, साथ ही साथ हिमाचल प्रदेश का ग्रामीण परिवेश भी अब शहरों व कस्बों में बदल रहा है, ऐसे में विद्यार्थियों के आराम की सुख-सुविधाओं में तो बढ़ौतरी हो रही है, मगर उन का फिटनेस स्तर दिन-प्रतिदिन नीचे गिर रहा है। इसलिए विद्यालय स्तर से फिटनेस कार्यक्रम की बहुत ज्यादा जरूरत है व इसके लिए शिक्षा और खेल विभाग में समन्वय स्थापित करना जरूरी हो जाता है ताकि हम विद्यालय स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम लागू कर सकें। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, विद्यालय प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर सचेत हो जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है।

शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य था। इस सबके पीछे कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों की दूरगामी सोच थी। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार चालीस प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए।

हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। फिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना है। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गये हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं को करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है।

ब्रीफ न्यूज

दुनिया की हर मर्सिडीज कार का है भारत के साथ नाता, जानिए कंपनी के चेयरमैन ने क्यों कहा ऐसा!

लग्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी मर्सिडीज बेंज ने पिछले साल भारत में 15,822 गाड़ियां बेची थीं। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ओला कैलेनियस का कहना है कि कार इंडस्ट्री के लिए भारत बहुत अहम है। इसका भविष्य पूरी तरह भारत पर टिका है। इसमें अगले फेज का ग्रोथ और इनोवेशन भारत से आएगा।

नई दिल्ली: ऑटो सेक्टर (Auto Sector) में भारत की ताकत लगातार बढ़ रही है। भारत में बनी गाड़ियां दुनियाभर में धूम मचा रही हैं। साथ ही भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट बन गया है। उसने हाल में जापान को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। यही वजह है कि दुनिया की दिग्गज ऑटो कंपनियां भारत पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। जर्मनी की दिग्गज ऑटो कंडपनी मर्सिडीज बेंज के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन और सीईओ ओला कैलेनियस (Ola Kallenius) का कहना है कि दुनिया की कार इंडस्ट्री का भविष्य भारत पर टिका है। उन्होंने कहा कि भारत में जो टेक्नोलॉजी विकसित की जा रही है, उसका दुनियाभर में इस्तेमाल हो रहा है। दुनिया में जहां कहीं भी मर्सिडीज की कारें बिक रही हैं, उनमें भारत का टच है। मर्सिडीज की पहले गैर-जर्मन सीईओ और चेयरमैन कैलेनियस ने टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ इंटरव्यू में कहा कि कार इंडस्ट्री में अगले फेज की ग्रोथ और इनोवेशन के लिए भारत सबसे अहम है। कार इंडस्ट्री भविष्य भारत पर टिका है। उन्होंने कहा कि मर्सिडीज के लिए भारत दुनियाभर में सबसे तेजी से बढ़ रहे बाजारों में से एक है। मर्सिडीज भारत में प्रीमियम कार बनाने की शुरुआत करने वाली पहली कंपनी थी। भारत में पिछले साल करीब 38 लाख कारें बिकीं। इनमें से एक फीसदी अपर-प्रीमियम कैटगरी की कारें थीं। इस सेगमेंट में मर्सिडीज लीडर है। भारत लगातार समृद्ध हो रहा है और भविष्य भारत का है। इसका फायदा मर्सिडीज को भी मिलेगा।

हर तरफ भारत का जलवा

बेंगलूरु में मर्सिडीज का इनोवेशन सेंटर है। इसके बारे में कैलेनियस ने कहा कि कंपनी की कई नई टेक्नोलॉजी बेंगलूरु में डिजाइन की गई है। वहां शानदार काम हो रहा है। 26 साल पहले जब हमने भारत में एंट्री मारी थी तब ऑटो इंडस्ट्री में भारत का ज्यादा नाम नहीं था। अब हमारा भारत से गहरा नाता जुड़ गया है। यहां विकसित की जा रही टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल दुनियाभर में हमारी गाड़ियों में हो रहा है। बेंगलूरु सेंटर की हमारे लिए कितनी अहमियत है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि दुनियाभर में कहीं भी बिकने वाली गाड़ी में आपको भारत का टच मिलेगा। यह पूछने पर कि वह दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी टेस्ला (Tesla) के मालिक एलन मस्क (Elon Musk) के बारे में क्या सोचते हैं, कैलेनियस ने कहा कि वह दूसरे लोगों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह एक विजिनरी हैं और उन्होंने ऑटो इंडस्ट्री में बदलाव की रफ्तार तेज की है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भविष्य इलेक्ट्रिक कारों का है। इसलिए 2019 में हमने इस दिशा में काम करना शुरू किया था। साल 2025 के बाद हमारी सभी गाड़ियां इलेक्ट्रिक होंगी। हम इलेक्ट्रिक फर्स्ट से इलेक्ट्रिक ऑनली की दिशा में बढ़ रहे हैं। मर्सिडीज बेंज ने पिछले साल भारत में रेकॉर्ड 15,822 गाड़ियां बेची थीं। यह 2021 के मुकाबले 41 फीसदी अधिक है। अभी देश के लग्जरी कार मार्केट में इस जर्मन कंपनी की 51 फीसदी हिस्सेदारी है। कैलेनियस ने दावा किया कि अगले कुछ साल में भारत में कंपनी की बिक्री दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'इंडियन मार्केट हमारे लिए अहम है। यहां काफी संभावनाएं हैं। इतना ही नहीं, दुनियाभर में हमारी स्ट्रैटजी में भारत की अहम भूमिका है।'

कैसे 40 टन का एक्सपोर्टर बन गया देश का सबसे अमीर उद्योगपति

एनटीवी न्यूज

गौतम अडानी पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। एक समय दुनिया के अमीरों की सूची में अहम स्थान रखने वाले गौतम अडानी आज टॉप 20 से भी बाहर हो चुके हैं। गौतम अडानी का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। लेकिन उन्होंने मेहनत करके अपनी सफलता की कहानी खुद लिखी है।

नई दिल्ली: गौतम अडानी (Gautam Adani) आज भले ही दुनिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट से बाहर हो गए हों, लेकिन बीते सालों में उनकी नेटवर्थ तेजी से बढ़ी है। एक समय ऐसा भी आया था जब कारोबारी गौतम अडानी (Gautam Adani) ने माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) के बिल गेट्स (Bill Gates) को भी पीछे छोड़ दिया था। गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर पहुंच गए थे। इसके बाद उन्होंने फ्रांस के दिग्गज कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट (Bernard Arnault) को पछाड़कर तीसरे स्थान भी हासिल किया था। अब ऐमजॉन (Amazon) के फाउंडर जेफ बेजोस (Jeff Bezos) के काफी करीब पहुंच गए थे। लेकिन क्या आपको पता है गौतम अडानी यूं ही देश के सबसे अमीर शख्स नहीं बन गए हैं। इसके लिए उन्होंने खूब संघर्ष भी किया है। गौतम अडानी ने अपनी जिंदगी में कुछ बातों का अमल हर हाल में किया था। आज आपको बताते हैं कैसे 40 टन का एक्सपोर्टर देश का सबसे अमीर उद्योपति बन गया। गौतम अडानी ने किस तरह से सफलता का मुकाम हासिल किया।

साधारण परिवार में हुआ जन्म

गौतम अडानी की जिंदगी के किस्से किसी सपने से कम नहीं है। गौतम अडानी का जन्म एक साधारण गुजराती परिवार में हुआ था। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। एक ऐसा समय भी आया जब गौतम अडानी को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ गई थी। अहमदाबाद में सेठ सीएन विद्यालय से अपनी स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय में वाणिज्य स्नातक की डिग्री के लिए एनरोल किया था। यहां उन्होंने दूसरे वर्ष में ही पढ़ाई छोड़ दी थी। इसके बाद गौतम अडानी ने खुद का कारोबार शुरू करने का निर्णय लिया था। अडानी के छह भाई-बहन थे। अडानी का परिवार अहमदाबाद के पोल इलाके की शेठ चॉल में रहता था, लेकिन वो हमेशा से कुछ बड़ा करने और सफल होने के सपने देखते थे। गौतम अडानी का कारोबारी सफर तब शुरू हुआ, जब वह गुजरात यूनिवर्सिटी से बीकॉम पूरा किए बिना मुंबई

आ गए। उन्होंने डायमंड सॉर्टर के तौर पर शुरुआत की और कुछ ही सालों में मुंबई के झवेरी बाजार में खुद की डायमंड ब्रोकरेज फर्म शुरू कर दी। साल 1998 तक गौतम अडानी गुजरात के बड़े कारोबारी बन चुके थे। अपने बड़े भाई के प्लास्टिक के व्यवसाय से जुड़कर साल 1988 से 1992 के दौरान गौतम अडानी का इम्पोर्ट का कारोबार 100 टन से कई गुना बढ़कर 40 हज़ार टन पहुंच गया था। इसके बाद गौतम अडानी ने जल्द ही निर्यात में भी हाथ आज़माना शुरू कर दिया। इसके बाद वह बहुत जल्द बड़े एक्सपोर्टर बन गए, जो लगभग हर सामान का निर्यात करते थे। बाद में मुंद्रा पोर्ट से जुड़ने के बाद अडानी के कारोबार में बड़ा उछाल आया था।

इन बातों का हमेशा ध्यान रखते हैं गौतम अडानी

गौतम अडानी कुछ बातों का ध्यान हमेशा रखते हैं। कई मौकों पर उन्होंने इंटरव्यू के दौरान इन बातों का जिक्र किया भी है। गौतम अडानी बहुत बिजी रहते हैं। लेकिन तमाम व्यवस्थाओं के बावजूद वह खाना अपने परिवार के साथ ही करते हैं। गौतम अडानी के यहां नियम है कि तमाम व्यस्तताओं के बावजूद परिवार के सभी लोग ऑफिस में लंच की टेबल पर साथ बैठते हैं। अब वह दिग्गज कारोबारी हैं तो लंच की टेबल पर भी बिजनस के कुछ मुद्दों पर बात करते हैं और परिवार साथ मिलकर बड़ी आसानी से समस्या का हल निकाल लेता है। अडानी के कहते हैं कि व्यस्तता जीवन का अंग है, लेकिन परिवार के लिए समय निकालना भी जरूरी है। अडानी की जिंदगी में एक बड़ा भयावह किस्सा मुंबई के 2008 के आतंकी हमलों से जुड़ा है। 26 नवंबर 2008 को वह मुंबई के ताज होटल में डिनर करने गए थे, जब उस पर आतंकियों ने हमला कर दिया। आतंकियों ने 160 लोगों को मार दिया, लेकिन अडानी ने हिम्मत नहीं हारी और बचने में कामयाब रहे थे।

प्राइवेट जेट से लेकर 17 शिप तक के हैं मालिक

गौतम अडानी की जिंदगी राजा-महाराजाओं से कम नहीं है। दुनिया की एक से बढ़कर एक लग्जरी कारों का कलेक्शन उनके पास है। वो प्राइवेट जेट से लेकर 17 शिप तक के मालिक हैं। आप उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में जानकार हैरान हो जाएंगे। अडानी (Gautam Adani) के पास लग्जरी कारों से लेकर प्राइवेट जेट तक सबकुछ है। उनके इस कलेक्शन की लिस्ट बहुत लंबी है। अडानी ज्यादातर सफर अपने प्राइवेट जेट में ही करते हैं। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, उनके पास जो सबसे सस्ता प्राइवेट जेट है उसकी भी भारत में कीमत कीरब 15.2 करोड़ रुपये है। उन्होंने अपने कम दूरी के ट्रैवल के लिए हैलीकॉप्टर रखे हुए हैं। इसमें अगस्ता वेस्टलैंड AW139 हैलीकॉप्टर के अलावा दो और हैलीकॉप्टर भी शामिल हैं। उनके पास तीन आलीशान जेट विमान भी हैं। गौतम अडानी की लाइफस्टाइल राजा महाराजाओं से कम नहीं है। गौतम अडानी के पास प्राइवेट जेट और हैलीकॉप्टर के अलावा सुपर लग्जरी कारों का भी शानदार कलेक्शन है। गौतम अडानी के पास करीब 1.3 करोड़ रुपये की शानदार बीएमडब्ल्यू, 3.5 करोड़ रुपये की फरारी के अलावा कई सुपर लग्जरी कारें हैं। कार के साथ उनके पास 17 जहाज भी हैं। उन्होंने साल 2018 में जो दो नए जहाज खरीदे उनका नाम अपनी भतीजी के नाम पर रखा। जहाजों को खरीदकर वो अपने लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करते हैं।

सुबह-सुबह छह फीसदी उछल गया इस सरकारी कंपनी का शेयर, क्या आपके पास है!

सरकारी कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों में आज भारी उछाल देखने को मिल रहा है। बाजार खुलते ही कंपनी के शेयर छह फीसदी उछल गए। सारे टेक्निकल पैरामीटर्स इस शेयर में तेजी का इशारा दे रहे हैं। यानी यह इस शेयर में पैसा लगाने का सही मौका है। जानिए कहां तक जा सकता है कंपनी का शेयर...

मुंबई: बाजार में उतारचढ़ाव के बावजूद इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (Engineers India Limited) के शेयर आज छह फीसदी से अधिक उछल गए। इस शेयर में निवेशकों की भारी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। इसके

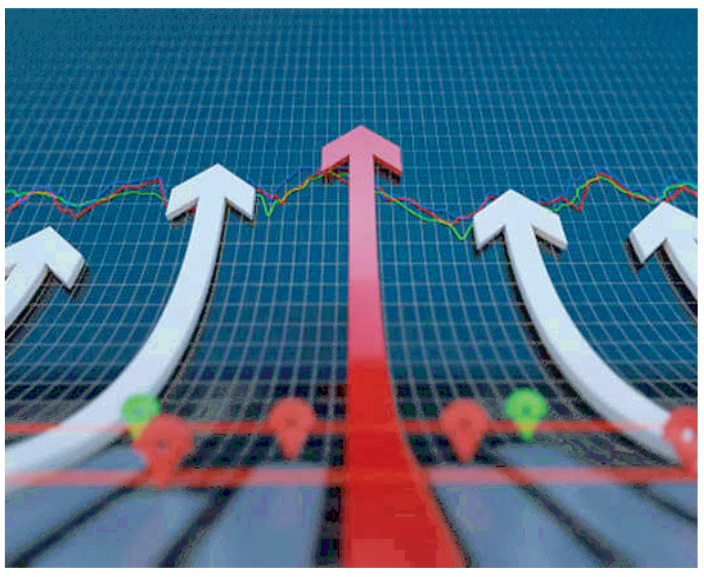

साथ ही यह आज निफ्टी 500 स्टॉक्स में सबसे ज्यादा चढ़ने वाले शेयरों में शामिल रहा। टेक्निकली इन स्टॉक ने अपने पेनेंट पैटर्न से स्ट्रॉन्ग प्राइस वॉल्यूम ब्रेकआउट रजिस्टर्ड किया है। यह इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। इसका वॉल्यूम एवरेज से ऊपर चल रहा है और साथ ही इसमें स्ट्रॉन्ग बाइंग एक्टिविटी भी दिख रही है। इसका 14 दिन की अवधि का आरएसआई (69.04) वीडियो टेरिटरी में है और यह स्टॉक में स्ट्रॉन्ग स्ट्रेंथ दिखा रहा है। इसका ADX (28.55) भी तेजी से ऊपर चढ़ रहा है और ट्रेंड स्ट्रेंथ दिखा रहा है।

इसकी रिलेटिव स्ट्रेंथ जीरो से ऊपर है और ब्रॉडर मार्केट से बेहतर ट्रेड कर रहा है। इसके सभी शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म मूविंग एवरेज तेजी का संकेत दे रहे हैं। यह स्टॉक बुलिश टेक्निकल सेटअप दिखा रहा है। इसलिए आने वाले दिनों में इसमें काफी तेजी आ सकती है। इसका इमीडिएट सपोर्ट 85 रुपये पर है जबकि मीडियम टर्म रेसिसटेंस 95 रुपये पर है। अभी इसका शेयर एनएसई पर 89 रुपये पर ट्रेड कर रहा है जो इसका दिन का उच्चतम स्तर है। ट्रेडर्स को आने वाले दिनों में इस पर नजर रखनी चाहिए।

आसमान पर IndiGo का कब्जा, बना हवाई यात्रियों की पहली पसंद, जानिए एयर इंडिया किस नंबर पर

फ्लाइट से सफर करने वाले लोगों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में 14 फीसदी की तेजी आ गई। वहीं साल 2021 के मुकाबले इस साल यात्रियों की संख्या में 47 फीसदी की उछाल देखने को मिली है।

नई दिल्ली: नई दिल्ली: फ्लाइट से ससफर करने वाले यात्रियों की संख्या में जबरदस्त तेजी आई है। इस साल हवाई जहाज से सफर करने वालों की संख्या में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ दिसंबर में इसमें 14 फीसदी का उछाल आया है। द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से दिसंबर 2022 में सभी एयरलाइंस के यात्रियों की संख्या नें बढ़ोतरी हुई है। ये संख्या 123 मिलियन तक पहुंच गई। पिछले साल ये आंकड़ा 83 मिलियन था।

नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में घरेलू विमान यात्रियों की संख्या सालाना आधार पर 13.69 फीसदी बढ़ी है। ये संख्या 127.35 लाख पर पहुंच गई है। इसका सबसे ज्यादा लाभ इंडिगो (IndiGo) को हुआ है। इंडिगो से 69.97 लाख यात्रियों के साथ उड़ान भरी है। इंडिगो ने घरेलू विमानन क्षेत्र में 54.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दिसंबर के दौरान अन्य एयरलाइनों से कहीं आगे उड़ान भरी, जबकि विस्तारा और एयर इंडिया ने 9.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। विमानन नियामक डीजीसीए के दिसंबर के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस महीने के दौरान इंडिगो में 69.97 लाख यात्रियों ने हवाई सफर किया जबकि विस्तारा में 11.70 लाख और एयर इंडिया में 11.71 लाख यात्रियों ने सफर किया। 9.51 लाख हवाई यात्रियों के साथ गो एयर की दिसंबर के दौरान बाजार हिस्सेदारी 7.5 प्रतिशत थी। वर्ष 2022 में इंडिगो ने 690.93 लाख यात्रियों को लेकर 56.1 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि विस्तारा की 113.59 लाख यात्रियों के साथ 9.2 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी थी, और एयर इंडिया की 107.74 लाख हवाई यात्रियों के साथ 8.7 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी थी। गुरुवार को जारी डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2022 महीने के लिए अनुसूचित घरेलू एयरलाइंस की कुल रद्दीकरण दर 0.79 प्रतिशत रही है। रद्दीकरण के मुख्य कारणों की पहचान मौसम, तकनीकी या परिचालन के रूप में की गई है। दिसंबर के दौरान सबसे अधिक 81.1 प्रतिशत उड़ानें मौसम संबंधी कारणों से और 7.8 प्रतिशत तकनीकी कारणों से रद्द की गईं। घरेलू हवाई यातायात में वृद्धि जारी है, जनवरी-दिसंबर 2022 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा ले जाए गए यात्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 8.38 करोड़ की तुलना में 12.32 करोड़ थे, जिससे 47.05 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 13.69 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई। डीजीसीए द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में दिसंबर के दौरान घरेलू एयरलाइंस द्वारा लगभग 1.27 करोड़ यात्रियों को ले जाया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान यह संख्या 1.12 करोड़ थी।

मझगांव डॉक, Paytm, SBI, IGL और Tata Motors के शेयर उछले, जानिए कहां पहुंच गया

मुंबई: निफ्टी 50 इंडेक्स (Nifty 50 Index) पिछले सत्र में 18,107.85 अंक पर बंद हुआ था और आज यह पॉजिटिव नोट के साथ 18,115.6 अंक पर खुला। कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद ऐसा हुआ। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और बेरोजगारी का साप्ताहिक आंकड़ा उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इससे अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। नैसडैक कंपोजिट (Nasdaq Composite) में 0.96%, डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज (Dow Jones Industrial Average) और एसएंडपी 500 (S&P 500) में 0.76%

गिरावट आई।

सुबह 10:40 बजे निफ्टी 50 इंडेक्स 16.75 अंक यानी 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 18,124.6 अंक पर ट्रेड कर रहा था। दूसरी ओर ब्रॉडर मार्केट इंडेक्सेज का प्रदर्शन भी फ्रंटलाइन इंडेक्सेज के मुताबिक रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स (Nifty Mid-Cap 100 index) 0.03% फीसदी गिरावट आई है जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स (Nifty Small-Cap 100 index) 0.02% की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। 19 जनवरी के आंकड़ों को मुताबिक एफआईआई नेट बायर्स रहे और डीआईआई नेट सेलर्स रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 399.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 128.96 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। यह रही इन शेयरों की लिस्ट जो प्राइस वॉल्यूम ब्रेकआउट के दौर से गुजर रहे हैं...

अब अमेरिकी दवा कंपनी को खरीद रही है सन फार्मा, जानें कितने में हुआ है सौदा

नई दिल्ली: सन फार्मा का नाम आपने जरूर सुना होगा। भारतीय दवा बाजार का यह बड़ा नाम है। घरेलू दवा बाजार में मार्केट हिस्सेदारी की बात करें तो सन फार्मा पहले नंबर पर है। अब खबर आई है कि इसने एक अमेरिकी दवा कंपनी कंसर्ट फार्मास्युटिकल्स इंक. (Concert Pharmaceuticals) को एक्वायर करने का करार किया है। यह कंपनी स्किन केयर प्रोडक्ट बनाती है। यह कंपनी नैस्डैक में भी लिस्टेड है।

सन फार्मा ने अमेरिकी कंपनी कंसर्ट फार्मास्युटिकल्स इंक. का 57.6 करोड़ डॉलर में सौदा किया है। भारतीय रुपये में इसे जोड़ें तो यह लगभग 4,688 करोड़ रुपये पड़ता है। सन फार्मा ने गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में यह जानकारी दी। मुंबई की दिग्गज दवाई कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि दोनों कंपनियों ने एक समझौता किया है, जिसके अंतर्गत सन फार्मा नकद में आठ डॉलर प्रति शेयर के अग्रिम भुगतान या 57.6 करोड़ डॉलर के इक्विटी मूल्य से कंसर्ट के सभी शेष शेयरों का

अधिग्रहण करेगी। यदि इस सौदे से जुड़े अन्य भुगतान को भी शामिल किया जाए तो इसका आकार 82.7 करोड़ डॉलर (करीब 6,800 करोड़ रुपये) हो सकता है।

कंसर्ट फार्मा बायो टेक्नोलोजी क्षेत्र की कंपनी है। यह कंपनी 'एलोपेशिया एरीटा' नाम स्किन डिजीज के उपचार की दवा बनाती है। इसी कंपनी ने औषधीय रसायन शास्त्र में ड्यूटेरियम का उपयोग शुरू किया था। कंपनी ड्यूटेरियम केमिस्ट्री deuterium chemistry का उपयोग कर इनोवेटिव और नई दवाओं की खोज करती है ताकि मरीजों का बेहतर तरीके से उपचार किया जा सके। कंपनी का दावा है कि वह ऑटोइम्यून बीमारियों autoimmune diseases, विशेष रूप से एलोपेसिया एरीटा के इलाज के लिए नए तरीके पेश करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

इस सौदे के तहत कंसर्ट के वर्तमान शेयरधारकों को डीरक्सोलिटिनिब दवा से निर्धारित अवधि में खास बिक्री लक्ष्य हासिल होने पर अतिरिक्त 3.5 डॉलर प्रति शेयर की राशि भी मिलेगी। इस सौदे को दोनों कंपनियों के निदेशक मंडलों द्वारा मंजूरी दी गई। यह सौदा कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली तिमाही में पूरा हो जाने की संभावना है।

अमेरिकी बाजार का सन फार्मा के कुल व्यवसाय में करीब 30 प्रतिशत योगदान है। यिदि डर्मेटोलॉजी प्रिसक्रिप्शन की बात करें उस बाजार में वह दूसरे स्थान पर है। सन फार्मा की इलुम्या, लेवुलन, एब्सोरिका और विनलेवी जैसी कई स्पेशियल्टी दवाएं अमेरिकी बाजार में हैं। कंपनी द्वारा एससीडी-044 दवा भी पेश की जानी है, जिसका इस्तेमाल सोरायसिस, एटोपिक डर्मेटाइटिस में किया जा सकेगा। कंपनी ने अपनी संपूर्ण अमेरिकी बिक्री में डर्मा पोर्टफोलियो यानी त्वचा रोग उपचार की दवा बिक्री की भागीदारी का खुलासा नहीं किया है।

सितंबर, 2022 में समाप्त 9 महीनों की अवधि को दखें तो इस दौरान कंसर्ट इंक ने 29,000 करोड़ डॉलर का कुल रेवेन्यू अर्जित किया था। इस दौरान कंपनी को 9.06 करोड़ डॉलर का शुद्ध नुकसान हुआ था। इस 9 महीने की अवधि में उसका आरएंडडी एक्सेंसेज 7.57 करोड़ डॉलर था। 30 सितंबर, 2022 को कंसर्ट के पास लगभग 14.89 करोड़ डॉलर की नकदी, और अन्य निवेश थे। वहीं सन फार्मा का शुद्ध नकदी स्तर समान अवधि में 1.6 अरब डॉलर था।

अखिलेश यादव के काफिले में हादसा, छह गाड़ियां क्षतिग्रस्त... हरदोई में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे SP अध्यक्ष

एनटीवी न्यूज

अखिलेश यादव के काफिले में हादसे का मामला सामने आया है। हादसे में छह गाड़ियां टकरा गई। इसमें सवार लोग घायल हुए हैं। मामले की जानकारी के बाद प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

हरदोईः उत्तर प्रदेश के हरदोई में बड़ी सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के काफिले में हादसा हुआ है। हादसे में छह गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। सपा अध्यक्ष हरदोई के एक शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना हुई है। हादस में अखिलेश यादव की कार को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हादसे में घायलों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां अखिलेश यादव के काफिले में पीछे-पीछे चल रही थीं। दुर्घटना के बाद वाहनों को साइड में लगाकर यातायात को सामान्य करा दिया गया। इस दुर्घटना के बाद अखिलेश यादव का काफिला आगे निकल गया।

अखिलेश यादव मल्लावां थाना क्षेत्र के बैठापुर गांव में एक शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे। इसी दौरान उनके काफिले की छह गाड़ियां हादसे का शिकार हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

छह गाड़ियां एक-दूसरे से भिड़ीं

हरदोई में छह गाड़ियां एक-दूसरे से हादसे में छह लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आ रही है। दुर्घटना रेलवे क्रॉसिंग के पास गाड़ियों के रुकने के दौरान घटी। हालांकि, उनका काफिला आगे निकल गया। कार्यकर्ताओं ने दुर्घटना में घायल लोगों की जानकारी ली।

छह गाड़ियां एक-दूसरे से भिड़ीं

हरदोई में छह गाड़ियां एक-दूसरे से भिड़ गईं। हरदोई में अखिलेश के काफिले की एक गाड़ी के रुकने का मामला सामने आया। ब्रेक लगाए जाने के कारण गाड़ी के रुक गई। इसके बाद पीछे से आ रही गाड़ियां एक-दूसरे से टकराती चली गईं। इसके बाद अफरातफरी का माहौल बन गया।

एंबुलेंस से घायलों को भेजा गया अस्पताल

मल्लावां की फरहत नगर रेलवे क्रॉसिंग के पास इस दुर्घटना का मामला सामने आया है। छह लोगों के मामूली रूप से घायल होने का मामला सामने आया है। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है।

नेहरू से लेकर मालवीय तक रहे मेंबर... 150 साल का हुआ एशिया का सबसे बड़ा High Court Bar Association, जानिए सफर

इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन के कुछ दिग्गज सदस्यों में पंडित अजुधिया नाथ, सर सुंदर लाल, पंडित मोती लाल नेहरू, पंडित मदन मोहन मालवीय, सर तेज बहादुर सप्रू, डॉ सतीश चंद्र बनर्जी, डॉ सच्चिदानंद सिन्हा, श्री पुरुषोत्तम दास टंडन और पंडित जवाहरलाल जैसे नाम शामिल हैं।

प्रयागराजः भारत देश के प्रथम प्रधानमंत्री से लेकर कानून मंत्री तक जिस बार एसोसिएशन के मेंम्बर थे। शुक्रवार को एशिया का सबसे बड़ा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद अपनी स्थापना का 150वां वर्ष मना रहा है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के महासचिव सत्यधीर सिंह जादौन ने बताया कि स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में 3 फरवरी शुक्रवार उद्घाटन में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हुए।

31,000 सदस्यों का विशाल संगठन

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट राधाकांत ओझा ने बताया कि यह संगठन आज विशाल रूप ले चुका है। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के 31 हजार सदस्य बन चुके हैं।

3 संगठनों को मिलाकर बना हाईकोर्ट बार एसोसिएशन

19 सितंबर 1957 को तत्कालीन महाधिवक्ता के.एल.मिश्रा ने तीनों संगठन बार लाइब्रेरी, एडवोकेट एसोसिएशन तथा बार एसोसिएशन को पत्र लिख कर मुख्य न्यायधीश के सुझाव के बारे सूचित किया कि तीनों संगठनों को सम्मिलित कर एक संगठन बनाया जाये। नवम्बर 1957 में मौजूद तीन संगठनों ने संयुक्त सभा में प्रस्ताव पारित इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन नया नाम दिया गया। जोकि वर्तमान में विशाल संगठन बन चुका है।

यूरोपियन बैरिस्टर्स ने बनाया था पहला बार एसोसिएशन

वर्ष 1869 में आगरा से इलाहाबाद स्थानांतरित होने के बाद जब इलाहाबाद में हाईकोर्ट का कामकाज शुरू तो उस समय यहां कई तरह के अधिवक्ता थे। हाईकोर्ट द बैरिस्टर्स ऑफ द इंग्लिश और आयरिश बार्स एंड एडवोकेट्स ऑफ स्कॉडलैंड इसके अलावा कई वकील और प्लीडर भी थे। 03 फरवरी 1873 में बारह यूरोपियन बैरिस्टर्स ने सर्वप्रथम बार एसोसिएशन की स्थापना किया। बार एसोसिएशन के पहले अध्यक्ष जारडाइन बनें।

1875 में बना वकील एसोसिएशन

बार एसोसिएशन की स्थापना के बाद बार एसोसिएशन का नाम बदलकर बार लाइब्रेरी हो गया। तब बार के सदस्यों ने मुख्य न्यायमूर्ति से पदेन अध्यक्ष बनने का आग्रह किया। उन्होंने पदेन अध्यक्ष बन गये।उस समय बार लाइब्रेरी एक अलग इकाई थी। इसके दो वर्षों के बाद 1875 में इलाहाबाद में वकालत कर रहे वकीलों ने एक अलग संगठन वकील एसोसिएशन बनाकर अयोध्या नाथ को अध्यक्ष नियुक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

फिल्मों और वेब सीरीज में देवी-देवताओं का उड़ाया मजाक तो खैर नहीं! UP में संतों ने बनाया धर्म सेंसर बोर्ड

फिल्मों और वेब सीरीज में हिंदू देवी देवताओं और संस्कृति के अपमान पर नजर रखने के लिए उत्तर प्रदेश के संतों ने धर्म सेंसर बोर्ड का गठन किया है। प्रयागराज के माघ मेले में संतों ने इस सेंसर बोर्ड का गठन किया है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए देवी देवताओं का अपमान नहीं बर्दाश्त किया जाएगा।

प्रयागराजः यूपी के प्रयागराज में माघ मेले में संतों ने एक 'धर्म सेंसर बोर्ड' का गठन किया, जो अब फिल्मों, वृत्तचित्रों, वेब श्रृंखला और मनोरंजन के अन्य माध्यमों में हिंदू देवी-देवताओं और संस्कृति के अपमान की जांच करेगा। हिंदू परंपराओं की मानहानि को रोकने के लिए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय सेंसर बोर्ड का गठन किया गया है। गुरुवार को जारी बोर्ड की गाइडलाइंस में सेंसर बोर्ड की तर्ज पर मनोरंजन सामग्री दिखाई जाएगी।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, 'इस बोर्ड में धर्म और संस्कृति से जुड़े कई दिग्गजों को शामिल किया गया है। फिलहाल वे खुद इस बोर्ड के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यह बोर्ड हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाले या संस्कृति को कोसने वाले वीडियो या ऑडियो के किसी भी फिल्मांकन या प्रसारण को रोकने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा। हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाली फिल्मों के निर्माण को रोकने के लिए बोर्ड के माध्यम से कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सस्ती लोकप्रियता के लिए सनातन संस्कृति को विकृत करने वाली फिल्मों, धारावाहिकों और धारावाहिकों का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शंकराचार्य ने कहा कि इसे सेंसर बोर्ड और सरकार की मदद के लिए बनाया गया है। बोर्ड सीरियल और वेब सीरीज बनाने वाले सभी फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों से संपर्क कर उन्हें इस संबंध में सूचित करेगा। इसके बावजूद अगर ऐसी फिल्में और धारावाहिक बनाए गए, जो हिंदू विरोधी और आस्था को ठेस पहुंचाने वाली हैं, तो हिंदू समाज से उन्हें न देखने की अपील की जाएगी। साथ ही जरूरत पड़ने पर विभिन्न माध्यमों से विरोध भी दर्ज कराया जाएगा।

हेट स्पीच पर सुप्रीम सख्ती, मुंबई में सकल हिंदू समाज के कार्यक्रम की होगी वीडियो रिकॉर्डिंग

एनटीवी संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच पर अब सख्त रुख अपना लिया है। मुंबई में होने वाले एक हिंदू संगठन के कार्यक्रम की शीर्ष अदालत ने वीडियो रिकॉर्डिंग करने को कहा है। अदलात ने महाराष्ट्र सरकार की अंडरटेकिंग पर भी विचार किया और उसे कुछ आदेश दिए।

नई दिल्लीः महाराष्ट्र में होने वाले सकल हिंदू समाज मीटिंग का वीडियोग्राफी करने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस से यह भी कहा है कि वह किसी भी तरह के हेट स्पीच को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार की ओर से इसके लिए अंडरटेकिंग दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अंडरटेकिंग को रेकॉर्ड पर लिया जिसमें राज्य सरकार ने कहा कि अगर सकल हिंदू समाज को 5 फरवरी को सम्मेलन की इजाजत दी जाती है तो इसके लिए यह शर्त लगाई जाएगी कि कोई किसी तरह का हेट स्पीच नहीं देगा और ऐसी कोई भी हरकत पब्लिक ऑर्डर और कानून का उल्लंघन माना जाएगा।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए। उन्होंने जस्टिस केएम जोसेफ की अगुवाई वाली बेंच के सामने राज्य सरकार की ओर से अंडरटेकिंग दी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रेकॉर्ड पर ले लिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर सम्मेलन की इजाजत दी जाती है तो ऑफिसर किसी भी हेट स्पीच की स्थिति में अपने अधिकार का पालन कर ऐहतियाती कदम उठाएं। इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि मीटिंग की वीडियोग्राफी होनी चाहिए और रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इलाके के पुलिस इंस्पेक्टर को निर्देश दिया कि वह मीटिंग का वीडियोग्राफी कराएं और रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा है कि वह उस आरोप पर भी निर्देश लेकर आएं जिसमें याची ने कहा है कि 29 जनवरी को मीटिंग के दौरान भी आरोप लगाए गए हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका पर सवाल भी उठाया और कहा कि मामले को चुन चुन कर उठाया जा रहा है। महाराष्ट्र में होने वाले इवेंट के लिए केरल के पिटिशनर का क्या इंट्रेस्ट है।

याची के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि पिछले रविवार को मीटिंग हुई थी और तब भाग लेने वालों ने गंभीर बयान दिए थे। इसमें सांसद भी शामिल थे। याची का आरोप है कि मीटिंग में कहा गया था कि मुस्लिम कम्युनिटी को सामाजिक और आर्थिक तौर पर बॉयकॉट किया जाए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सिब्बल ने इस मामले में ऐहतियात के तौर पर सेक्शन 151 का इस्तेमाल की दलील दी। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि याची प्री स्पीच सेंसरशिप मांग रहे हैं और साथ ही प्री स्पीच गिरफ्तारी की बात कर रहे हैं। इस मामले में पहले से यह माना जा रहा है कि हेट स्पीच होगा अगर धारा-151 का इस्तेमाल किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट याचिका दायर कर कहा गया है कि पांच फरवरी को मुंबई में होने वाले कार्यक्रम पर रोक लगाई जाए। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि मुंबई में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नफरती भाषण होने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केएम जोसेफ की अगुवाई वाली बेंच के सामने यह मामला उठाया गया। और कहा गया कि हाल ही में ऐसा एक और कार्यक्रम हुआ था जिसमें हेट स्पीच दिया गया ऐसे में पांच फरवरी के कार्यक्रम को रोका जाए। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला याची ने उठाया और कहा कि हिंदू जन आक्रोश मोर्चा द्वारा मुंबई में पहले ऐसी ही रैली का आयोजन किया गया था और 10 हजार लोग जमा हुए थे। रैली में कहा गया था कि मुस्लिम समुदाय को आर्थिक और सामाजिक तौर पर बायकॉट किया जाए।

उत्तराखंड के 4 जिलों में Avalanche का खतरा, DGRI ने जारी किया अलर्ट, उत्तरकाशी में गई थी कई की जान

एनटीवी संवाददाता

उत्तराखंड के चार जिलों में हल्के हिमस्खलन की चेतावनी के बाद आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट पर है। विशेषज्ञों के अनुसर हिमस्खलन के कई कारण हो सकते हैं। विगत वर्ष उत्तरकाशी के द्रौपदी का डांडा – 2 में आए भयंकर एवलांच को लोग भूले भी नहीं हैं कि अब एक बार फिर हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश के चार जिलों के तीन हजार मीटर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्के हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है।

देहरादूनः आपदा की दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड के चार जिलों पर हिमस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। उत्तराखंड के चार जिलों चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी में 3000 मीटर से ऊपरी क्षेत्रों में हल्के एवलांच आने की आशंका जताई गई है। डिफेंस जियोइंफार्मेटिक रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRI) डीजीआरआई चंडीगढ़ के जरिए जारी किए गए अलर्ट के बाद आपदा प्रबंधन विभाग ने यह चेतावनी दी है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार हिमपात की लगातार निगरानी की जा रही है। इन ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन की कई वजहें हो सकती हैं। डीजीआरआई चंडीगढ़ ने जरिए बर्फबारी, मौसम पर नियमित मॉनिटरिंग की जाती है। डीजीआरआई द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के आधार पर आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से दैनिक चेतावनी जारी होती है। देर शाम जारी की गई इस चेतावनी में 24 घंटे के भीतर चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ के तीन हजार मीटर से ऊंचाई वाले क्षेत्रों के हल्के हिमस्खलन की चपेट में आने की बात कही गई है।

एवलांच में कई पर्वतारोहियों ने गंवाई थी जान

उत्तराखंड लगातार दैवीय आपदा से जूझता आया है। उत्तरकाशी के द्रौपदी का डांडा-2 में पिछले साल 4 अक्टूबर को भयंकर हिमस्खलन हुआ था,

जिसमें कई पर्वतारोहियों की जान चली गई थी। एनआईएम (NIM) के 42 सदस्यीय पर्वतारोहियों का यह दल 17 हजार फुट की ऊंचाई पर हिमस्खलन की चपेट में आ गया था। इस जानलेवा एवलांच को अभी कुछ महीने बीते थे कि दोबारा एवलांच की आहट नजर आ रही है।

फरवरी में दून का पारा पहुंचा 26.8 डिग्री

मौसम विभाग के मुताबिक फरवरी में सिर्फ तीन दिन बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों में मासिक न्यूनतम तापमान भी सामान्य से कम रहने की संभावना है। जबकि अन्य सभी जिलों में 24 घंटे में मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। मौसम के बदलते मिजाज का असर दून की ठंड पर भी दिखाई देने लगा है। दिन के समय तापमान काफी बढ़ रहा है। बृहस्पतिवार को दून में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री था जबकि न्यूनतम तापमान भी नौ डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है।

रैणी आपदा के घाव नहीं भरे

चमोजी के रैणी गांव में 7 फरवरी 2021 को आई भीषण आपदा में कई लोगों की जान चली गई थी। तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना की टनल में फंसे कई मजदूर बाहर ही नहीं निकल पाए। कई लोगों के कंकाल के अवशेष मिले तो कई के बारे में पता ही नहीं चला। 7 फरवरी को अचानक आई बाढ़ के कारण दो निर्माणाधीन पनबिजली परियोजनाओं, ऋषि गंगा और एनटीपीसी के तपोवन बांध को नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने 204 लोगों को मृत घोषित किया था।